

डॉ. बिल मौस, पर्वत पर उपदेश, व्याख्यान 6, मत्ती 5:21, और उसके बाद, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 1

© बिल मौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बिल मौस द्वारा माउंट पर उपदेश देते हुए दिया गया है। यह मैथ्यू 5:21 पर सत्र 6 है, और उसके बाद, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 1।

मैं बॉब की टिप्पणी पर जल्दी से आगे बढ़ना चाहता था, और मैंने प्लीराओ को निकाला, जो कि पूरा करने के लिए ग्रीक शब्द है, और मैं आपको उन अर्थों की सीमा बताता हूँ जिनका उन्होंने संदर्भ दिया। नंबर एक यह है कि BDAG चीजों को आवृत्ति के क्रम में नहीं रखता है, इसलिए उनके पास एक अलग दिशानिर्देश है, लेकिन नंबर एक प्रविष्टि पूर्ण करना है, दूसरे शब्दों में, भरना या पूरा करना, और उनके पास किसी के खाने और भर जाने, इत्र, इत्र की महक, घर को भरने के उदाहरण हैं, इसलिए मेरा मतलब है कि आप उस प्रविष्टि से भी पूर्ण, पूर्ण, समाप्त करने का अर्थ प्राप्त कर सकते हैं, आप जानते हैं कि भविष्यवाणी के लिए इस तरह की चीजें।

नंबर दो का मतलब है समय की अवधि को पूरा करना, भरना, पूरा करना या पूरा करना। नंबर तीन का मतलब है जो पहले से शुरू हो चुका है उसे पूरा करना, दूसरे शब्दों में, पूरा करना या खत्म करना। नंबर चार का मतलब है एक निर्धारित अंत तक लाना, और यहीं पर भविष्यवाणी को पूरा करना आता है।

किसी ऐसी गतिविधि को पूरा करना जिसमें कोई व्यक्ति शुरू से ही शामिल रहा हो, फिर से पूरा करना, खत्म करना और संख्याओं के साथ कुछ अजीब बात करना। तो, इस शब्द के अर्थ में वास्तव में बहुत व्यापक लचीलापन है; इसका मतलब केवल एक स्पष्ट भविष्यवाणी को पूरा करना नहीं है, इसलिए वैसे भी, इससे मदद मिलती है। ठीक है, श्लोक 20, मुझे लगता है कि जिस तरह आत्मा की गरीबी पूरे उपदेश में आनंद की कुंजी है, श्लोक 20 और यह अत्यधिक धार्मिकता निश्चित रूप से पूरे अध्याय की कुंजी है, और यह वास्तव में उपदेश के बाकी हिस्सों के नीचे स्थित है, चाहे हम धर्मपरायणता के कृत्यों के बारे में बात कर रहे हों, या आप भगवान और धन की सेवा नहीं कर सकते, या प्रार्थना, या आलोचनात्मक होना, और मेरा मतलब है कि ये सभी अलग-अलग विषय इस उपदेश में आने वाले हैं।

शास्त्रियों और फरीसियों की धार्मिकता से बढ़कर धार्मिकता का क्या अर्थ है, इसका विचार इस बात को रेखांकित करता है कि सब ठीक है? तो, यह एक असाधारण रूप से महत्वपूर्ण श्लोक है। धार्मिकता का क्या अर्थ है? सही को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि जो कुछ भी परमेश्वर के चरित्र के अनुरूप है, ठीक है? तो धार्मिकता वह है जो परमेश्वर है, धार्मिकता वह है जो परमेश्वर करता है, सभी चीजों, व्यवहार और चरित्र में उसकी नैतिक पूर्णता, और इसलिए यीशु जो कह रहे हैं वह यह है कि यदि आप इस तरह का जीवन जीना चाहते हैं, यदि आप इस तरह की जीवनशैली का अनुकरण करना चाहते हैं, यदि आप अपने पिता परमेश्वर की तरह

बनना चाहते हैं, तो आप जिस धार्मिकता की तलाश करते हैं और परमेश्वर जिस धार्मिकता की अपेक्षा करता है, उसका शास्त्रियों और फरीसियों को जो कुछ करते हुए देखते हैं, उससे कोई लेना-देना नहीं है, बिल्कुल भी नहीं, और आप जानते हैं कि आप सभी यह जानते हैं, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण बिंदु है, मुझे लगता है, जब आप प्रचार करते हैं तो इन समूहों की पहचान करना है, शास्त्रियों या एनआईवी कानून के शिक्षकों को कहते हैं। अब, ये सेमिनरी के प्रोफेसर हैं, ठीक है? ये बिल माउंट्स और वॉल्ट कैसर हैं, ये उस समय के सेमिनरी प्रोफेसर हैं, और यीशु कह रहे हैं कि आपकी धार्मिकता अकादमी में चर्च के उच्च शैक्षणिक और औपचारिक रूप से प्रशिक्षित नेताओं से अधिक होनी चाहिए, ठीक है? दूसरी ओर, फरीसी आम आदमी थे; वे सभी 613 आज्ञाओं का सावधानीपूर्वक पालन करने के लिए प्रतिबद्ध थे, इसलिए, उदाहरण के लिए, पुराने नियम में एक सामुदायिक भोज, एक राष्ट्रीय भोज की आवश्यकता होती है, इसलिए वे सप्ताह में दो बार भोज करते हैं, ठीक है? तो मेरा मतलब है कि ये लोग अपनी धार्मिकता के साथ बहुत आगे निकल जाते हैं, और यीशु कह रहे हैं कि ये दो समूह, एक अर्थ में, यीशु के दिनों में धार्मिक दिग्गज थे, और यीशु कह रहे हैं कि यदि आप धार्मिकता का जीवन जीना चाहते हैं, यदि आप ईश्वर की धार्मिकता की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो इसका आपके सेमिनरी प्रोफेसरों और आपके चर्च में सबसे प्रतिबद्ध आम लोगों में जो आप देख रहे हैं, उससे कोई लेना-देना नहीं है, है ना? और समझने की कुंजी, और वैसे, स्टॉट की इस विषय पर चर्चा, मेरी समझ से, सभी चर्चाओं में सर्वश्रेष्ठ है, इसलिए यदि आप वास्तव में इस विषय पर सोचने में अधिक समय लगाना चाहते हैं, तो स्टॉट ने जो कहा है, उस पर पुनर्विचार करें।

फरीसियों द्वारा वर्णित उनकी धार्मिकता, एक बाहरी धार्मिकता थी, है न? सब कुछ दिखावा था; अध्याय 6 इसी के बारे में है। सब कुछ था, हृदय की शुद्धता में कोई वास्तविक रुचि नहीं थी; जोर कार्यों की शुद्धता और आपके दिखने के तरीके की शुद्धता पर था। यह सही काम करने के बारे में है, ठीक है? ये वे लोग हैं जो सोचते हैं कि परमेश्वर केवल बाहरी शुद्धता चाहता है, और अंदर कोई फर्क नहीं पड़ता, और यीशु इन पाखंडियों के लिए अपनी सबसे कठोर आलोचना सुरक्षित रखता है।

सबसे अच्छा उदाहरण जो मैंने कभी देखा है, वह एक आदमी था जिसे मैं जानता था, और वह अपने चर्च में मिस्टर एवरीथिंग था, आप जानते हैं, हेड डीकन, हर चीज का मुखिया, आप जानते हैं, मूल रूप से चर्च चलाता था, चर्च को फंड करता था, मेरा मतलब है, वह चर्च था। और यह केंटकी में है, और मैं एक दिन उसके घर में था, और एक अफ्रीकी-अमेरिकी अंदर आया; मैंने पहले कभी इस घर में एक अफ्रीकी-अमेरिकी को नहीं देखा था, और वह मेरे पास गया, और वह था, ओह तुम कैसे हो, आप जानते हैं, उसे छूना और उसके हाथ मिलाना, ओह तुम्हें देखकर अच्छा लगा, फिर वह घर के दूसरी तरफ चला गया और दो अन्य लोगों के पास गया, और मैंने कहा, मुझे उन लोगों से नफरत है। मैंने बस सोचा, वाह, वाह।

मैं शब्द नहीं कहने जा रहा हूँ, आप जानते हैं कि मैं किस शब्द के बारे में बात कर रहा हूँ, इसलिए नहीं कि मैं राजनीतिक रूप से सही हूँ, मैं नहीं हूँ, मुझे बस यह शब्द पसंद नहीं है। और इसलिए, बाहर से, वह गले लगा रहा है और प्यार कर रहा है और स्वीकार कर रहा है और वाह, वह वास्तव में प्रगतिशील है, फिर यह केंटकी में 70 के दशक में है, आप जानते हैं, और वास्तव में, सभी नस्लीय दीवारें नहीं टूटी थीं, मुझे यकीन है कि वे अभी भी नहीं टूटी हैं, और वह गर्म और

मैत्रीपूर्ण था और फिर चला गया और कहा, मैं उनसे नफरत करता हूँ। ठीक है, यह वही है जिससे यीशु निपट रहा है: शास्त्री और फरीसी, पाखंड का वह स्तर जहाँ सारा दिखावा था, मुझे देखो, मुझे देखो, मेरी प्रशंसा करो, मेरी प्रशंसा करो, क्या मैं अच्छा नहीं हूँ? और अंदर, वे सिर्फ सफेदी वाली कब्रें हैं; अंदर, वे मृत हैं; वे अपवित्र हैं, और वे हर उस व्यक्ति को अशुद्ध बनाते हैं जो उन्हें छूता है।

यही तो यहाँ हो रहा है। तो, सवाल यह है कि हमारी धार्मिकता, हमारा व्यवहार और हमारा चरित्र किस तरह से श्रेष्ठ हो सकता है, यह कैसे हो सकता है, और यह सबसे बाहरी धार्मिक लोगों से कैसे बेहतर हो सकता है? और स्टॉट ने इस वाक्यांश का इस्तेमाल किया, क्या आपने इसे उठाया? एक गहरी आज्ञाकारिता। यही स्टॉट है, जहाँ तक मैं बता सकता हूँ, वह इसी के साथ आया था।

एक गहरी आज्ञाकारिता, और इससे उनका मतलब है कि यह आज्ञाकारिता दिल से आती है। एक धार्मिकता जो अंदर से होती है, जो शुद्ध हृदय से संबंधित होती है और कार्यों को उससे बाहर आने देती है। मैं जो दिखता हूँ उस पर प्राथमिक जोर देना बंद करो।

हम जो दिखते हैं, वह महत्वपूर्ण है, है न? लेकिन प्राथमिक ध्यान, प्राथमिक इरादा, हमारे दिल पर है। यह हमारे कार्यों से ज़्यादा हमारे इरादों पर है। यह हमारे कामों से ज़्यादा हमारे होने पर है।

यही गहरी आज्ञाकारिता है। और यह, जैसा कि मैं कल चीनी चर्च के साथ अपने कुछ अनुभव साझा कर रहा था, वहाँ मेरे भाइयों और बहनों के लिए मेरी अंतिम चिंता थी, कि परमेश्वर मुख्य रूप से अस्तित्व, चरित्र और हृदय पर जोर देता है। और ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि कार्य महत्वपूर्ण नहीं हैं; यदि आप हृदय को नियंत्रित करते हैं, तो आप कार्यों को भी नियंत्रित करते हैं, है न? लेकिन यदि हमारे चर्चों में सब कुछ इस बारे में है कि हम क्या करते हैं, तो पाखंडी बनना और परमेश्वर से निंदा प्राप्त करना बहुत आसान है।

तो, जिस तरह से हमारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों की धार्मिकता से बढ़कर है या उससे बढ़कर है, वह यह है कि हमारी आज्ञाकारिता एक गहरी आज्ञाकारिता है जो हमारे दिल से आती है। परमेश्वर कहते हैं कि अधिक से अधिक आज्ञाकारिता नहीं, बल्कि गहरी से गहरी आज्ञाकारिता। और फिर वह जो करने जा रहा है, वह गहरी आज्ञाकारिता के पाँच या छह उदाहरणों के साथ है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि आप तलाक के मार्ग के साथ क्या करते हैं।

वे सभी एक ही मूल बात कह रहे हैं: हृदय का वह दृष्टिकोण जो कार्य को आगे बढ़ाता है, आज्ञा का उल्लंघन करता है। आज्ञा का उल्लंघन केवल कार्य द्वारा नहीं होता है। आज्ञा, तुम हत्या नहीं करोगे, का उल्लंघन केवल हत्या के कृत्य द्वारा ही नहीं होता है।

क्रोध की प्रवृत्ति से भी इसका उल्लंघन होता है जो व्यक्ति को हत्या की ओर ले जाता है। हत्या और क्रोध एक ही बात नहीं हैं। दोनों ही आज्ञा का उल्लंघन करते हैं।

और इसलिए, यीशु गहरी आज्ञाकारिता पर जा रहे हैं। यह हृदय के दृष्टिकोण से संबंधित है, और वे आज्ञा का उल्लंघन करते हैं जैसे कि कार्य आज्ञा का उल्लंघन करता है। तो यही अध्याय के बाकी हिस्से का मुद्दा है।

लेकिन मैं रुककर बस इतना कहना चाहता था कि यह एक बहुत ही बुनियादी बात है। मैं देखूंगा कि क्या कोई टिप्पणी या सवाल है। हाँ, सर।

आप इस अंश को यहीं पढ़िए। आप कम से कम सेवा के स्तर पर बोल रहे हैं। यह आपको यह सोचने पर मजबूर करता है कि आपके पास कुछ ऐसा नहीं है जो घटित होगा। ऐसा नहीं है। मुझे लगता है कि ईश्वर द्वारा जीवन पर शासन करने से संबंधित गहन आज्ञाकारिता की आपकी परिभाषा, अभी पर जोर देती है, और मुझे पता है कि आपने इसके बारे में पहले ही बात कर ली है, अभी तक नहीं, मुझे लगता है कि इसका एक और अनुप्रयोग है, न केवल मृत्यु के लाभ बल्कि भय के भी।

यह संभवतः आपके द्वारा अपनाए गए मार्ग की पैरोडी का भी अच्छा बचाव होगा। हम्म-हम्म, हाँ।

हाँ। लैड ने सावधानीपूर्वक परमेश्वर के राज्य को आपके हृदय में परमेश्वर के शासन और शासन के रूप में व्यक्त किया है क्योंकि आप इसके प्रभाव को देखना शुरू कर देते हैं। यदि परमेश्वर का राज्य आपके हृदय में परमेश्वर का शासन और शासन है, तो परमेश्वर को परिभाषा के अनुसार गहरी आज्ञाकारिता की आवश्यकता है।

उसे सिर्फ़ कर्मों की शुद्धता की नहीं, बल्कि हृदय की शुद्धता की भी ज़रूरत है। और यह कुछ ऐसा है जो आज भी सच है। राज्य में प्रवेश करना और उसमें रहना एक ही मानक पर आधारित है।

और हां, हां। हां, ये परिभाषाएं बहुत सावधानी से लिखी गई हैं। ओह, मुझे लैड की किताब में राज्य के बारे में देखना चाहिए।

भविष्य की उपस्थिति। भविष्य की उपस्थिति। धन्यवाद।

यह किसने कहा? धन्यवाद। हाँ, भविष्य की उपस्थिति। मुझे लगता है कि यह उनकी लिखी मुख्य रचना थी।

ठीक है, तो मुझे लगा कि उन्होंने इस पर दो किताबें लिखी हैं। भविष्य की उपस्थिति। हाँ, ठीक है, हाँ, यह, मैं नहीं, ठीक है, लेकिन यह वही है जिसके बारे में मैं सोच रहा हूँ वह है भविष्य की उपस्थिति।

तो, मेरा मतलब था कि इसे देखना। धन्यवाद। मेरा मतलब है, यह, मेरा मतलब है, यह एक में है, मुझे पता है कि मैं गाना बजानेवालों को उपदेश दे रहा हूँ, ठीक है, लेकिन यहाँ आपका पाठ है।

ठीक है, मेरा मतलब है, यह, मुझे लगता है, कानूनवाद से निपटने के लिए सबसे शक्तिशाली ग्रंथों में से एक है, विभाजन से निपटने के लिए जो हम सभी करते हैं, और हमारे लोग सभी करते हैं। आप जानते हैं, पैचवर्क रजाई का यह हिस्सा भगवान का है, और, लेकिन यह हिस्सा मेरा है और शायद भगवान से कहीं ज़्यादा पैचवर्क रजाई के वर्ग मेरे हैं, और मेरा मतलब है, यह सब तब दूर हो जाता है जब आप महसूस करते हैं कि भगवान को दिल की शुद्धता की आवश्यकता है, एक गहरी आज्ञाकारिता जो प्रकट होती है, जो आपके दिल में भगवान के शासन और शासन से शुरू होती है, और इसलिए कार्यों में बदल जाती है। लेकिन मैं बस इतना आश्वस्त हूँ कि चर्च का बड़ा हिस्सा ईसाई धर्म को लेन-देन की एक श्रृंखला के रूप में देखता है, भगवान के साथ अनुग्रह प्राप्त करने के लिए वे चीजों की एक श्रृंखला करते हैं, चेकलिस्ट को चेक करने के लिए।

ठीक है, मैंने अपना आध्यात्मिक काम किया, और मुझे याद है कि मैंने एक पादरी से बात की थी, और उसने कहा, आप जानते हैं, मुझे लगता है कि हम रविवार की सुबह का अनुभव बहुत अच्छे से करते हैं। हम वास्तव में इसके अलावा कुछ नहीं करते। क्या? क्या आपको इस पर गर्व है? क्या आपको लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण काम जो आप कर सकते हैं, और जिस पर आप लाखों डॉलर खर्च कर सकते हैं, वह है लोगों को रविवार की सुबह एक अच्छा हिप-हिप-हुर्रे अनुभव देना? वाह।

मेरा मतलब है, मैं बस, मैं हैरान था। मैं वास्तव में उन लोगों में से नहीं हूँ जिनके पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं, और मेरे पास कहने के लिए कुछ भी नहीं था। मेरे पास कहने के लिए कुछ भी नहीं था।

मुझे पता है कि रविवार की सुबह बहुत सारे अलग-अलग कार्यक्रम होते हैं, लेकिन जहाँ तक मैं बता सकता हूँ, वास्तव में कोई उत्साहवर्धक रैली कहीं भी क्षितिज पर नहीं है। गहरी आज्ञाकारिता, यही भगवान है, आप जानते हैं, इसमें कोई खुशी नहीं है, है न? अगर ईसाई धर्म में आप जो चेकलिस्ट करते हैं, वह सब कुछ है, है न? इसमें कोई खुशी नहीं है। इसमें कोई संतुष्टि नहीं है।

कोई विकास नहीं है। मेरा मतलब है, मैं बस समझ नहीं पा रहा हूँ। मेरा मतलब है, ईसाई धर्म को करने और न करने की एक श्रृंखला के रूप में सोचना जीवन भर बहुत कठिन होगा, और रविवार की सुबह मुझे सप्ताह के माध्यम से थोड़ी भावनात्मक ऊर्जा देने के लिए एक उत्साहवर्धक रैली होगी।

यह भी काम नहीं करता, लेकिन यह कुछ और है। खैर, ठीक है, इतना गहरा, यही वह वाक्यांश है जिसका मैं शेष अध्याय के लिए उपयोग करने जा रहा हूँ: गहरी आज्ञाकारिता और आज्ञाकारिता जो हृदय में शुरू होती है और हृदय से निकलती है। क्रियाएँ अभी भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे उस चीज़ का परिणाम हैं जो वास्तव में महत्वपूर्ण है, और वह है हृदय।

तो, हम यहाँ पाँच उदाहरण देने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि तलाक की चर्चा थोड़ी सी कोष्ठक की तरह है। मैं गलत भी हो सकता हूँ।

मुझे लगता है कि ज़्यादातर लोग शायद कहेंगे कि छह हैं, लेकिन जो भी हो। गहरी आज्ञाकारिता के पाँच या छह उदाहरण हैं जो यीशु ने श्लोक 20 में जो कहा है उसका एक उदाहरण है। मुझे यह यहाँ मिल गया है। मुझे लगता है कि वास्तव में दो बुनियादी विषय चल रहे हैं।

गहरी आज्ञाकारिता को देखने का एक और तरीका है। इस अध्याय के बाकी हिस्सों में दो अलग-अलग विषय हैं। पहला है मसीह की सर्वोच्चता।

आप जानते हैं, आपने यह कहावत सुनी होगी, लेकिन मैं आपसे कहता हूँ कि या तो यह अविश्वसनीय अहंकार है या मसीह सर्वोच्च है। कानून मुझमें पूरा हो गया है। अहंकारी या सच, है न? मेरा मतलब है, यह बचाव का हिस्सा है।

यीशु या तो झूठा है, पागल है या भगवान है। कोई दूसरा विकल्प नहीं है। मेरा मतलब है, अच्छे लोग यह नहीं कहते कि मैं जीवन की रोटी हूँ।

अगर तुम स्वर्ग जाना चाहते हो तो तुम्हें मुझे खाना और पीना होगा। मेरा मतलब है, अच्छे लोग ऐसी मूर्खतापूर्ण बातें नहीं कहते। इसलिए यह एक अच्छा, मजबूत बचाव है जो मुझे लगता है कि मूल रूप से ही मौजूद है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है।

वैसे भी, मसीह की सर्वोच्चता का विषय न केवल शास्त्रियों और फरीसियों से अलग है, बल्कि आपकी व्याख्या के आधार पर, पुराने नियम से भी आगे निकल जाता है। यह सब कुछ मसीह की सर्वोच्चता के बारे में है। तो यह एक विषय है, है न? मसीह की सर्वोच्चता।

दूसरा यह है कि कानून के अक्षर और भावना के बीच अंतर है। फरीसी कानून के अक्षर को मानते थे, कम से कम उनकी समझ को, और यीशु चाहते थे कि वे कानून की भावना को मानें, चीज़ों के पीछे गहरे सिद्धांत का इरादा। और मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ, यह मेरे उपदेशों में से एक था, और मैंने इसे अपने नोट्स में छोड़ दिया क्योंकि यह मेरे पसंदीदा उपदेशों में से एक था।

और यह सब कानून के अक्षर और कानून की भावना के बीच अंतर को स्पष्ट करने के लिए है। लोग पाप को इतनी सावधानी से क्यों परिभाषित करना चाहते हैं? क्या आपने कभी इस बारे में सोचा है? वे कहना चाहते हैं, ठीक है, इस बिंदु तक, यह ठीक है; इस बिंदु से आगे, यह ठीक नहीं है। हम ऐसा क्यों करते हैं? और मुझे लगता है कि हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि अगर यह ठीक व्यवहार और पापपूर्ण व्यवहार के बीच विभाजन बिंदु है, तो हम जो कर सकते हैं वह यह है कि हम उस रेखा के जितना करीब चाहें जा सकते हैं और फिर भी सुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

और जब हम यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि क्या सही है और क्या गलत, तो हमें वास्तव में जो करना चाहिए वह है कि हम जितना हो सके रेखा से दूर चले जाएं, है न? लेकिन यह मानवीय प्रवृत्ति नहीं है। मानवीय प्रवृत्ति रेत में रेखा खींचने की होती है, और यही कानून का अक्षर है। हम जितना हो सके उतना इसके करीब जाना चाहते हैं - कुछ उदाहरण।

एक चर्च में एक आदमी था जो मेरे पास आया और अपनी बेटी के साथ बहुत परेशान था। उसकी बेटी ने रेत में एक रेखा खींची थी, और उसकी रेखा यह थी कि कमर से ऊपर सब कुछ अनुमत है। यह पिता को परेशान कर रहा था क्योंकि वह कह रही थी कि एक को छोड़कर सभी प्रकार की यौन गतिविधि ठीक है। इसलिए, उसने रेत में एक रेखा खींची थी, और वह जितना संभव हो सके उसके करीब चली गई थी।

गॉर्डन कॉनवेल में मेरे साथ जो सबसे दिलचस्प बात हुई, वह यह कि मैं पादरी पढ़ाता था, और यह सेमेस्टर के अंत के करीब था, और मुझे बहुत ज़्यादा की ज़रूरत थी। मैंने उसे ग्रीक में सभी 13 अध्याय पढ़ने को कहा और मेरी टिप्पणी और कुछ अन्य चीज़ें पढ़ने को कहा, और यह बहुत ज़्यादा था। मैं यह समझ गया।

और न्यू हैम्पशायर में एक पादरी आया, और वह मुझ पर बहुत गुस्सा था, और वह बैठ गया और उसने कहा, आप हमारे बारे में कुछ नहीं सोचते। चार अक्षर T में खत्म होते हैं। आप हम पर भरोसा मत छोड़ो। मैं गया, माफ़ करना? और उसने कहा, गॉर्डन कॉनवेल में, शिक्षकों और छात्रों के बीच काफी विभाजन है।

यह ईस्ट कोस्ट की तरह की विनम्रता है, और आपने मुझे गॉर्डन कॉनवेल में बिल नहीं कहा। मेरा मतलब है, मैं चाहता था कि वे मुझे बिल कहें, लेकिन इस विभाजन के कारण ऐसा नहीं हो सका। इसलिए उन्होंने कहा, आपको हमारी परवाह नहीं है।

मैं बोला, तुमने ऐसा क्यों कहा? तुम्हें कोई परवाह नहीं है। और वह बार-बार वही बात कहता रहा। उसने कुछ भी स्पष्ट नहीं किया। वह मुझ पर बहुत गुस्सा था।

वह रुका नहीं। उसने कुछ और नहीं कहा। इसलिए, मैं उसके पास गया और अपने दफ़्तर का दरवाज़ा खोला, और वह बस मुझ पर चिल्लाता रहा।

और मैं सचिवों को देख सकता था क्योंकि यह आधे घंटे तक चलता रहा। मैं प्रोफेसरों को चलते हुए देख सकता था। उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं सुना था।

और मैंने उससे यह बताने की कोशिश की कि ऐसा क्यों हुआ। मुझे पूरा यकीन था कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैंने उसे बहुत ज़्यादा काम सौंप दिया था, लेकिन उसने ऐसा नहीं कहा। वह बस गाली-गलौज करता रहा और गाली-गलौज करता रहा और गाली-गलौज करता रहा।

और करीब 20 मिनट बाद, मैंने कहा, क्या यह आपको एक ईसाई और पादरी के तौर पर परेशान करता है कि आप यहाँ एक भाई और एक प्रोफेसर को गाली दे रहे हैं? और उसने कहा कि मैं गाली नहीं दे रहा हूँ। मैंने कहा, गाली देना क्या बकवास है? और उसने कहा, नहीं, यह अश्लील है। ओह, तो अश्लील होना ठीक है, लेकिन गाली देना गलत है।

हाँ, वाह! यह एक दिलचस्प अनुभव था।

मैंने रेत पर रेखा खींचने से पहले कभी भी इतने गुस्से और इतनी उग्रता के साथ इसे नहीं देखा था। अपने दिमाग को शुद्ध और सुंदर चीजों से भरने के बजाय, आप जानते हैं, फिलिपिनो 4, वह जितना हो सके उतना करीब चला गया, और जब तक वह गाली नहीं दे रहा था, तब तक वह अश्लील होने के साथ ठीक था। इसलिए, मैंने कागज का एक टुकड़ा निकाला, और उसने कहा, तुम क्या लिख रहे हो? मैंने कहा कि तुम मुझ पर हार मत मानो।

मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि मैं इसे सही से करूँ। यही तो आप कह रहे हैं, है न? 10 मिनट और बीत गए, और वह बाहर निकल गया। मैं अपने विभागाध्यक्ष के पास गया, और गैरी की आँखें ऐसी थीं, मैंने इस स्कूल में पहले कभी ऐसा नहीं सुना था।

उन्होंने कहा, आपको डीन से मिलने जाना चाहिए। तो, मैं डीन के पास गया और उन्हें बताया कि क्या हुआ, और उनकी आँखों में आँसू आ गए, और मैंने कहा, आप वास्तव में इस व्यक्ति को स्नातक नहीं कर सकते। आप बस, आप नहीं कर सकते।

इस किरदार में कुछ बुनियादी तौर पर गड़बड़ है। खैर, उस समय गॉर्डन कॉनवेल के पास कोई चरित्र खंड नहीं था। मुझे बताया गया कि इस घटना के कारण अब उनके पास है।

लेकिन वैसे भी, हम रेत में रेखा खींचते हैं, इसलिए नहीं कि हम उससे दूर रह सकें, बल्कि इसलिए कि हम उसके बहुत करीब पहुँच सकें। यही कानून का अक्षर है। और अध्याय पाँच का सार यही है कि यह कानून की आत्मा है।

मैट, गॉर्डन कॉनवेल में अपने तीन सालों में, क्या आपने कभी ऐसा कुछ सुना है? नहीं। ठीक है। मेरा मतलब है, यह, यह था, यह नहीं है, यह गॉर्डन कॉनवेल पर बिल्कुल भी प्रतिबिंबित नहीं है।

हाँ। यह गॉर्डन कॉनवेल पर बिल्कुल भी प्रतिबिंबित नहीं है। यह एक शानदार स्कूल है।

मैट जैसे छात्र हर जगह हैं। लेकिन यह सिर्फ एक उदाहरण था। दूसरा उदाहरण जो मैं देता हूँ, वह है स्पोकेन में एक शानदार पुल।

इसे बॉलिंग पिचर कहा जाता है। यह स्पोकेन नदी है जो नीचे आती है और कुछ तेज़ धाराओं से होकर गुजरती है। उस बिंदु पर पानी बहुत खतरनाक है।

और इसके ऊपर एक बहुत बड़ा सस्पेंशन ब्रिज है। और यह लगभग पाँच फ़ीट चौड़ा है। और अगर आप इस पर कूदते हैं, तो यह हिलता है और कुछ होता है।

जब बच्चे छोटे थे, तो हम अक्सर वहाँ जाते थे, और वहाँ दीवारें थीं। तो, कोई भी पिता अपने दो साल के बेटे के साथ खतरनाक नदी पर बने जर्जर पुल पर क्या करता है? हम दीवार पर झुक जाते हैं। हम झुक जाते हैं।

मैं अपने बच्चे को पकड़कर थूकता हूँ। रयान, हम हमेशा पानी पर थूकते थे। हम आसानी से खुश हो जाते हैं, आप जानते हैं, और मेरी पत्नी जा रही है, क्या तुम किनारे से दूर जाओगे? यह ठीक है।

वहाँ एक दीवार है। अब कल्पना करें कि अगर बॉलिंग पिचर के ऊपर से गुजरते समय सस्पेंशन में कोई दीवार नहीं होती तो मैं क्या करता। मैं बीच में ही चला जाता, है न? मैं खतरे को देख लेता और जितना हो सके उससे दूर रहता।

ठीक है, ये सब दृष्टांत हैं। मुझे यकीन है कि आपके पास भी अपने खुद के दृष्टांत होंगे। लेकिन यही तो हो रहा है, कि आज़ाएँ व्यापक थीं।

और मुझे लगता है कि यीशु मूल इरादे को वापस ला रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि वह कुछ भी बना रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि वह पुराने नियम के कानून की पुनर्व्याख्या कर रहे हैं।

मुझे लगता है कि कानून, निर्गमन 20, इस बारे में था कि परमेश्वर के साथ वाचा के रिश्ते में रहने वाले लोगों के दिल का प्यार कैसे व्यक्त होता है। इसलिए, मुझे लगता है कि यीशु मूल इरादे पर वापस आ रहे हैं। लेकिन फरीसी इन सभी चीजों में जो करते हैं वह संकीर्णता है।

वे संकीर्ण, संकीर्ण, संकीर्ण करते हैं। तुम व्यभिचार नहीं करोगे। ठीक है, यह केवल दूसरे व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाने को संदर्भित करता है।

वे इसे सीमित कर देते हैं। यीशु कहते हैं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। हम वासना के बारे में बात करने जा रहे हैं क्योंकि यह दिल का मुद्दा है।

यही सबसे महत्वपूर्ण है। तो, आपके पास कानून का यह पत्र है और फरीसियों ने इसके साथ क्या किया। क्या यह समझ में आता है? मेरा मतलब है, मुझे पता है कि आप लोगों ने पहले भी इस पर विचार किया होगा, लेकिन बॉब? मैं जो कहने जा रहा था वह यह है कि मुझे लगता है कि चीजों को लिखित रूप में रखने से एक निश्चित आराम मिलता है।

मैं एक कट्टरपंथी चर्च में पला-बढ़ा हूँ। और अगर आप उस चर्च में कुछ भी करते हैं, आप जानते हैं, अगर आप गाना बजानेवालों में गाने जा रहे हैं या बोर्ड में सेवा कर रहे हैं, या सामाजिक मुद्दों के साथ कुछ भी कर रहे हैं, तो इस चर्च के पास एक बयान होता था जिस पर आपको हस्ताक्षर करना होता था जिसमें कहा जाता था कि आप कुछ खास चीजें नहीं करते हैं। आप धूम्रपान नहीं करते, आप शराब नहीं पीते, आप फिल्में नहीं देखते, आप ताश नहीं खेलते।

मुझे लगता है कि आपको पूल हॉल में जाने की अनुमति नहीं थी, लेकिन यह पहल थी। इसलिए, लोग अपनी आध्यात्मिकता को इस आधार पर परिभाषित करते हैं कि आपने क्या नहीं किया। मुझे याद है कि किसी ने मुझसे कहा था, ठीक है, हम फिल्में देखने नहीं जाते।

हम अपनी बेटियों के साथ सिनेमा देखने जाते हैं। इससे सब ठीक हो जाता है। और इसलिए उन रेखाओं को खींचकर, यह बताना बहुत आसान है कि कौन आध्यात्मिक व्यक्ति था।

मुझे आपका वाक्य पसंद आया। इसी तरह से वे अपनी आध्यात्मिकता को परिभाषित करते हैं। यह कहने का वाकई एक अच्छा तरीका है। आप जानते हैं, आपके लोग भगवान के साथ अपने

रिश्ते को कैसे परिभाषित करते हैं? क्या यह एक रेखा है जिसे वे रेत पर खींचते हैं और उसके करीब पहुँच जाते हैं? फिर, जब वे उससे आगे नहीं बढ़ते, तो उन्हें लगता है कि वे ठीक हैं। क्या इसी तरह से वे अपनी आध्यात्मिकता को परिभाषित करते हैं? या वे इसे किसी और तरीके से करते हैं? वाकई एक बहुत ही अच्छा वाक्य है।

हाँ, हाँ, हाँ, हाँ। आप जानते थे कि मेरा मन कहाँ जा रहा था। हाँ, सर।

मैं इसी इलाके में पला-बढ़ा हूँ और चर्च जाता था। यह उन जगहों में से एक है जहाँ चर्च में आपको सिखाया जाता था कि आप अगले हैं। हालांकि, मैं एक सवाल पूछना चाहता हूँ।

यीशु ने आखिरकार अपने प्रेरितों को नहीं उठाया। लेकिन वे कहते हैं कि आप लोगों की आज्ञाकारिता को परमेश्वर के उपहार के प्रति बनाए नहीं रख सकते। यह कुछ ऐसा है जो हमने हासिल किया।

यीशु कह रहे थे कि कोई भी यहाँ तक नहीं पहुँच सकता। तुम सोचते हो कि बार यहीं है। यह वास्तव में यहीं है।

आप उस स्तर को केवल अपने रिश्ते के माध्यम से ही प्राप्त कर सकते हैं। हाँ, तो सवाल यह है कि क्या यह एक प्राप्त करने योग्य नैतिकता है? और आप कल यहाँ नहीं थे, लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि मेरा जवाब क्या होने वाला है। ओह, चलो।

हाँ, यह है, हमने पहले से ही और अभी तक नहीं के बारे में बात की, कि पर्वत पर उपदेश एक तस्वीर है कि हम कौन हैं, हम क्या बन रहे हैं, हम क्या बनने जा रहे हैं। इसलिए, कुछ स्तर पर, ईसाई नैतिकता एक प्राप्त करने योग्य नैतिकता है। जैसे-जैसे मैं आध्यात्मिक परिपक्वता में बढ़ता हूँ, वासना कम होती जाती है और समस्या कम होती जाती है।

इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसा कभी नहीं होता, लेकिन आदर्श रूप से, यह कम और कम आवृत्ति के साथ हो रहा है। और फिर भविष्य में किसी समय, मैं पूरी तरह से समझ जाऊँगा कि महिलाओं को पूरी तरह से भगवान की छवि में बनाया गया है, और वे कोई वस्तु नहीं हैं, है न? मुझे यकीन नहीं है कि मैं वहाँ जाना चाहता हूँ। कभी पूर्णता तक नहीं पहुँचना।

ठीक है। हाँ, अगर हम पूर्णता को ऐसी चीज़ के रूप में देखते हैं जो अभी पूरी तरह से प्राप्त करने योग्य है, तो हम दुख और निराशा में मर जाएँगे। या हम पूर्णता को फिर से परिभाषित करेंगे ताकि इसका मतलब कुछ और हो।

मुझे लगता है कि यह वास्तव में, मेरा मतलब है, मुझे किसी ऐसी चीज़ तक पहुँचने का विचार पसंद है जिसे मैं समझ नहीं सकता। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि आनंद यात्रा में है। और आप जानते हैं, मेरे प्रार्थना जीवन में, मैं विश्वास करता हूँ कि भगवान प्रार्थनाओं का उत्तर देंगे, उदाहरण के लिए, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसे पूरी तरह से नहीं समझ पाया हूँ।

और इसलिए, मैं प्रार्थना में आश्वासन के बारे में छंदों को देखता हूँ कि प्रार्थना भगवान को उन चीजों को करने के लिए प्रेरित करती है जो वह अन्यथा नहीं कर सकते। यह मेरी छोटी सी कविता है। लेकिन खुशी यह है कि मैं खुद को बढ़ता और सीखता हुआ देखता हूँ, और भगवान या तो मेरी प्रार्थनाओं का जवाब देते हैं या मेरी प्रार्थनाओं को बदल देते हैं।

और जब तक मैं स्वर्ग नहीं पहुंच जाता, तब तक यह कभी भी परिपूर्ण नहीं होगा। और तब मैं परमेश्वर की इच्छा को पूरी तरह से जान लूंगा, और यह पूछना आसान होगा कि मैं जो जानता हूँ वह परमेश्वर की इच्छा है क्योंकि मैं जानता हूँ कि यह क्या है। इसलिए, नैतिकता तभी प्राप्त की जा सकती है जब हम हमेशा उसकी ओर बढ़ते रहें, और हम मजबूत होते जाएं या अधिक समझदार बनें या जो भी शब्द हम इस्तेमाल करना चाहें, उसका इस्तेमाल करें।

कुछ लोग तर्क देते हैं कि अगर आप ईसाई नैतिकता को अप्राप्य मानते हैं, तो आपको बस हार मान लेनी चाहिए। लेकिन मुझे लगता है कि आप हर बढ़ते कदम के साथ उस दिशा में बढ़ सकते हैं। और किसी दिन, हम वहाँ पहुँच जाएँगे।

लेकिन नए स्वर्ग और नई पृथ्वी के इस तरफ नहीं। देखिए, फिर से, इसीलिए हमने कल इस पर इतना समय बिताया: क्योंकि मैं वास्तव में सोचता हूँ कि यह जीवन एक यात्रा है। यह ईसाई नैतिकता की कुंजी है।

मैं एक अच्छा ईसाई हूँ क्योंकि इनमें से कोई भी बात मुझे परेशान नहीं करती। हाँ, हाँ। मुझे याद है, मैं वास्तव में प्रेरित था, मैं लगभग 20 साल का था, और उस आदमी को चर्च में 40 साल की सेवा के लिए पूरी तरह से सम्मानित किया जा रहा था।

और उन्होंने कहा, प्रलोभन में न आने को इस बात से भ्रमित न करें कि आप उन चीजों को करने में सक्षम नहीं हैं जिन्हें करने के लिए आप प्रलोभन में हैं। हाँ, हाँ। मुझे लगता है कि बॉब अपनी आग की उपमा में यही कहना चाह रहे थे।

हाँ, ठीक है। ठीक है, ठीक है। ठीक है, तो इसके साथ, मुझे देखने दो, यहाँ मेरे नोट्स की जाँच करें।

खैर, ठीक है, धार्मिकता के पाँच उदाहरणों में से पहला उदाहरण क्रोध का पूरा मुद्दा है। इसलिए, यीशु छठी आज्ञा का हवाला देकर शुरू करते हैं।

आपने सुना होगा कि बहुत पहले लोगों से कहा गया था: तुम हत्या मत करना। और जो कोई हत्या करेगा, वह न्याय के अधीन होगा। लेकिन मैं आपको फिर से बताता हूँ, जो इन सभी की संरचना है, लेकिन मैं आपको बताता हूँ कि जो कोई भी भाई या बहन से नाराज़ है, और फिर से, हम यहाँ वाचा समुदाय के भीतर रिश्तों के साथ काम कर रहे हैं, भाई या बहन से नाराज़ होने पर न्याय के अधीन होगा।

फिर, जो कोई भी भाई या बहन को राका कहता है, वह अदालत के समक्ष उत्तरदायी है। और जो कोई भी तुम्हें मूर्ख कहता है, वह नरक की आग के खतरे में होगा - एक बहुत ही अजीब कथन।

दूसरा सवाल: यीशु जो कर रहे हैं वह पुराने नियम पर अपनी सर्वोच्चता स्थापित करना है।

फिर से, हम इस बात पर चर्चा नहीं कर रहे हैं कि आप और मैं अनुबंधित समुदाय के बाहर के लोगों से कैसे संबंध रखते हैं। ये हमारे भाई और बहन हैं। और इन तीन चीजों के बारे में एक सवाल है, आप जानते हैं, गुस्सा, राका, मूर्ख, क्या वह सिर्फ ज़ोर देने के लिए खुद को दोहरा रहा है, जो कि पारंपरिक यहूदी शिक्षण पद्धति है, या क्या यह बढ़ रहा है और झगड़े तर्क देते हैं कि यह बढ़ रहा है।

मुझे यकीन नहीं है कि यह बढ़ रहा है। लेकिन फिर से, उनके तर्क से आप नाराज़ हैं। देखिए, समस्या यह है कि कौन विषय है, अगर आप नाराज़ हैं तो कौन आपको न्याय के अधीन रखेगा? कोई भी कानूनी अदालत नहीं करेगी, लेकिन झगड़े बताते हैं, ठीक है, शायद बदनामी के लिए, आप एक कानूनी अदालत, एक धर्मनिरपेक्ष कानूनी अदालत में जाएंगे।

यदि आप इसे स्वीकार करते हैं, तो यहां कुछ वृद्धि हो सकती है। इसलिए, यदि आप क्रोधित हैं, तो आप न्यायालय में जा सकते हैं। यदि आप अधिक सशक्त शब्द का उपयोग करते हैं, तो आप न्यायालय के प्रति उत्तरदायी हो सकते हैं, जो कि संहेद्रिन या संहेद्रिन की उपसमिति होगी।

और जो कोई भी मूर्ख कहता है, वह नरक में जाने का खतरा है। तो, या तो वे बढ़ रहे हैं या वह सिर्फ एक बात कहने के लिए दोहराव कर रहा है। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत मायने रखता है।

पुराने नियम में कहा गया है कि अगर आप हत्या करते हैं, तो मुझे यहाँ एक पल रुकने दीजिए। ठीक है, आइए उन तीन अलग-अलग चीजों पर नज़र डालें। पुराने नियम में कहा गया है कि अगर आप हत्या करते हैं, तो आपको न्याय का सामना करना पड़ेगा।

भले ही आपने कभी खून न बहाया हो, फिर भी गुस्सा आपको दोषी बनाता है और आपको दोषी ठहराया जा सकता है। यहाँ गुस्सा व्यक्तिगत रिश्तों से उपजा गुस्सा है। सबसे अधिक संभावना है कि यह चोट लगने की प्रतिक्रिया है।

और इसलिए, यीशु जो कह रहे हैं वह यह है कि आप आज्ञा जानते हैं, लेकिन वह रवैया जो अंततः कार्रवाई की ओर ले जा सकता है, वह भी आज्ञा का उल्लंघन करता है। यह सवाल है कि किसका न्याय किया जाता है। और फिर, एक स्तर पर, आप कह सकते हैं कि कोई भी सिविल लॉ कोर्ट किसी को गुस्सा होने का दोषी नहीं ठहराएगा, सिवाय शायद झगड़े या बदनामी के बारे में बहस के।

मुझे लगता है कि इन आयतों में न्याय करने वाला परमेश्वर ही है। मुझे लगता है कि सलाह स्वर्ग की सलाह है। नरक की आग आप पर उसके फैसले का बयान है।

अब तक की सभी निष्क्रियताएँ ईश्वरीय निष्क्रियताएँ रही हैं, और मैं वास्तव में ईश्वर के अलावा किसी और को प्रतिशोध के एजेंट के रूप में देखने में सहज नहीं हूँ। इसलिए, वह कह रहा है कि यदि आप वाचा समुदाय के भीतर किसी से नाराज़ हैं, तो आप ईश्वर के न्याय के अधीन हैं। मैं फिर से बात करना चाहता हूँ, वह कहता है, जो कोई भी भाई, बहन, राका कहता है।

क्षमा करें, मेरे नोट्स यहाँ गड़बड़ हैं। राका सिर्फ़ एक अरामी शब्द है जिसका मतलब अवमानना है। और वह मूल रूप से यह कह रहा है कि अगर आप गुस्से में बेवकूफ़, मूर्ख, मूर्ख, मूर्ख, मूर्ख कहते हैं।

दूसरे शब्दों में, हमारी सामान्य ड्राइविंग शब्दावली। भले ही आपने खून नहीं बहाया हो, फिर भी आप अपने कार्यों के लिए न्याय के लिए उत्तरदायी हैं। यदि आप कहते हैं कि आप मूर्ख हैं, तो मूर्ख का अनुवाद अपमान के लिए एक और अरामी शब्द में होता है: अधिक और अधिक, जिसमें E पर जोर दिया गया है।

राका और मोर के बीच कोई अंतर है, तो फिर, किंग जेम्स या ईएसवी में क्या है? तुम मूर्ख हो, नहीं। गुस्सा, अपमान, हमने शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, फुटनोट में क्या है। अपमान कहते हैं तुम मूर्ख हो।

ठीक है, अगर कोई आपको मूर्ख कहता है, तो उसे नरक की आग में डालना चाहिए। मूर्ख का अनुवाद अपमान के लिए इस्तेमाल होने वाले दूसरे अरामी शब्द, मोर से किया जाता है। और अगर राका और मोर के बीच कोई अंतर है, तो राका सिर पर हमला करता है, मोर दिल और चरित्र पर हमला करता है।

राका कहता है तुम सच में बेवकूफ हो। तुमने मेरे सामने से गाड़ी क्यों खींची? तुम जानते हो, तुम क्यों, तुम जानते हो, बस बेवकूफ मूर्ख। राका, और अधिक हमले चरित्र।

यह कहना है कि आप ईश्वरविहीन हैं, और यह कहना है कि व्यक्ति अनैतिक है। यह कहना कि आप मूर्ख हैं और आप असफल हैं, के बीच का अंतर है। एक गाना है जो बच्चे हमेशा बजाया करते थे, जिसमें आपके माथे पर एक विशाल L के बारे में बताया गया था।

आप जानते हैं, यह बच्चों के लिए नहीं है, ठीक है, मुझे नहीं पता कि यह बच्चों का गाना है या नहीं, लेकिन अगर मैं ऐसा करता हूँ, तो मैं इसके बजाय ऐसा करता हूँ, आप जानते हैं, हारे हुए, हारे हुए। देखिए, यह और भी ज़्यादा है, यह किसी व्यक्ति के चरित्र पर हमला है। यह किसी ऐसी चीज़ के बारे में कुछ कह रहा है जो गहराई से कहती है, कि वे एक बेकार व्यक्ति हैं।

वे न केवल मूर्ख हैं और मूर्खतापूर्ण काम करते हैं, बल्कि वे एक बेकार व्यक्ति हैं। इसलिए, आप इनके साथ जो भी करना चाहते हैं, वह कह रहा है कि यदि आप क्रोधित हैं, यदि आपका क्रोध आपको किसी व्यक्ति की बुद्धि पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित करता है, यदि आपका क्रोध आपको किसी व्यक्ति के चरित्र पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित करता है, तो ये सभी हृदय का उल्लंघन है, और आज्ञा का उल्लंघन है, भले ही आपने कभी ट्रिगर नहीं खींचा हो। जबकि एक

बंदूक शरीर की हत्या कर सकती है, अधिक चरित्र की हत्या करती है, और यह बदनामी और गपशप का तरीका है, है ना? बदनामी और गपशप हत्या का एक रूप है।

यह दूसरे व्यक्ति, दूसरे व्यक्ति के चरित्र, दूसरे व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नष्ट करने का एक तरीका है। तो, मुद्दा यह है, और फिर मैं रुक जाऊंगा, मुद्दा यह है कि एक आनंदित व्यक्ति, एक व्यक्ति जो अपनी आध्यात्मिक गरीबी को पहचानता है, उस पर शोक करता है, खुद के बाहर एक धार्मिकता के लिए भूख और प्यास रखता है, ईश्वर की इच्छा के प्रति विनम्र और आज्ञाकारी बन रहा है जिसके परिणामस्वरूप एक शांतिपूर्ण सुलह वाला जीवन होता है, उस तरह का व्यक्ति गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं करने वाला है। फिर से, इसलिए यदि आप इसका उपदेश दे रहे हैं, तो आप बस यह नहीं कह सकते कि गुस्सा मत करो, है ना? क्योंकि इससे किसी की मदद नहीं होती।

जिस तरह से आप लोगों को गुस्सा न करने में मदद करते हैं, जिस तरह से आप लोगों को दूसरों को मूर्ख न कहने में मदद करते हैं, जिस तरह से आप लोगों को दूसरों के चरित्र पर सवाल न उठाने में मदद करते हैं, वह उन्हें यह समझने में मदद करना है कि वे वास्तव में ईश्वर के सामने कौन हैं, और वह कौन है, और इसका हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ना चाहिए। मुझे लगता है कि अध्याय पाँच का कोई अर्थ समझने के लिए आपको बीटिच्यूड्स पर वापस जाना होगा। यदि हमारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों से बढ़कर है, तो गहरी आज्ञाकारिता के लिए ईश्वर का आह्वान हृदय तक, हमारे क्रोध तक फैलना चाहिए, जो तब लोगों के प्रति राका अधिक प्रकार के दृष्टिकोण उत्पन्न कर सकता है।

ठीक है। टिप्पणियाँ। एनएलटी ऐसा इसलिए नहीं कर रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह सही है।

किंग जेम्स ने एक अद्भुत बात कही है, अनुवादकों पर बहुत दबाव डाला है। और ग्रीक पांडुलिपियों में भी अंतर है। बिना कारण वाक्यांश स्पष्ट रूप से बहुत बाद में जोड़ा गया था।

मैथ्यू ने इसे कभी नहीं लिखा। लेकिन अनुवादक किंग जेम्स के प्रभाव से बहुत परिचित हैं, और यही कारण है कि आप आधुनिक अनुवादों में बहुत सारे फुटनोट देखते हैं जो वास्तव में वहाँ नहीं होने चाहिए। और मैं कहूँगा कि यह उनमें से एक है।

मुझे नहीं लगता कि यीशु चाहेंगे कि हम लोगों को राका और इससे भी ज़्यादा कहें, अगर यह न्यायसंगत हो, अगर यह न्यायपूर्ण हो। मुझे लगता है कि पूरी बात यह है कि एक आनंदित व्यक्ति ऐसा नहीं करता है। इसलिए, मैं बिना कारण के धर्मशास्त्र के साथ संघर्ष करूँगा।

मैं खुद। क्या, क्या आपने, किताब का नाम क्या है? क्रोध एक दिलचस्प विषय है क्योंकि हम सभी अपने दिलों और अपने चर्चों में इससे निपटते हैं। और लुईस मीड्स की एक किताब है, जिसका नाम है, उनकी किताब है द आर्ट ऑफ़ फ़ॉरगिवनेस।

वैसे, यह एक बहुत ही अच्छी किताब है। लेकिन एक और किताब है। ओह, मेकिंग योर एंगर वर्क फ़ॉर यू, यह, मुझे नहीं पता कि इसे किसी बड़े प्रकाशक ने छापा है या नहीं।

यह कनाडा में रहने वाले एक काउंसलर का है जो हमारे चीनी पादरियों का मित्र है। इसी से हमें इस बारे में पता चला। और वह जो बात कहते हैं, वही बात मैंने दूसरे काउंसलरों से भी सुनी है, कि भावनाएँ सही या गलत नहीं होतीं।

क्या आपने यह सुना है? क्रोध कोई स्वाभाविक रूप से बुरी चीज़ नहीं है। यह परामर्शदाता क्रोध के बारे में इस बुनियादी विचार को विशेष रूप से समझाता है। उन्होंने कहा कि क्रोध एक संकेतक है।

क्रोध इस बात का सूचक है कि दर्द है, खतरा है, डर है। यह कह रहा है, सावधान रहो, कुछ हो रहा है। और या तो यह शारीरिक खतरा है या भावनात्मक खतरा है या, आप जानते हैं, ऐसा कुछ।

और लंबे समय तक, मैंने इसे स्वीकार नहीं किया। मैंने कहा, नहीं, गुस्सा जायज़ है, गुस्सा गलत है। और मैंने इस बारे में अपना विचार बदल दिया है।

मुझे लगता है कि काउंसलर ने मुझे इस बात पर राजी कर लिया है। ऐसा तब होता है जब कोई कुछ कहता है और आपको गुस्सा आता है; गुस्सा यह बताता है कि आप मुसीबत में हैं। वे आपकी भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं।

इससे निपटें। यीशु जिस क्रोध की बात कर रहे हैं, वह तब है जब हम अपने क्रोध को सूरज को डूबने नहीं देते, है न? इफिसियन 4. और इसलिए मुझे लगता है कि क्रोध को एक स्वस्थ भावना के रूप में पहचानना मददगार है जो हमारे जीवन में किसी भी तरह के खतरे की ओर इशारा करती है, और क्रोध जो हमारे दिलों में मोरेह और रक्का जैसी भाषा और दृष्टिकोण पैदा करता है। आप इसके बारे में क्या सोचते हैं? यह उन कुछ जगहों में से एक है जहाँ हम ग्रीक में अंतर नहीं बता सकते हैं, चाहे वह क्रोधित होना एक संकेत हो, आप जानते हैं, अपने क्रोध में, पाप न करें, या यह वास्तव में आपको क्रोधित होने के लिए कह रहा है।

क्योंकि कुछ ऐसी परिस्थितियाँ होती हैं जहाँ, मुझे नहीं पता, शायद सिर्फ़ एक इंसान बोल रहा हो, ऐसा लगता है, मेरा मतलब है, आपको करना ही होगा, कभी-कभी चीज़ें इतनी बुरी होती हैं कि आप बस चुपचाप बैठकर उन्हें चलते हुए नहीं देख सकते, है न? आप, आप, लेकिन गुस्सा आपको इससे निपटने के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करता है और तुरंत इससे निपटने के लिए प्रेरित करता है। गुस्सा जो वास्तव में जीवन, परिवार, विवाह और चर्च को तबाह कर देता है, वह तब होता है जब गुस्से को उबलने दिया जाता है और व्यक्ति के ताने-बाने का हिस्सा बन जाता है। गैरी ब्रेशियर्स के साथ मेरी एक दिलचस्प चर्चा हुई, जो पोर्टलैंड में वेस्टर्न में एक सिस्टमैटिक्स प्रोफ़ेसर हैं, और गैरी ने आध्यात्मिक युद्ध पर बहुत काम किया है।

वास्तव में, बाइबिल प्रशिक्षण पर, बाइबिल युद्ध पर 10 घंटे का सेमिनार है जो वास्तव में सुनने लायक है, और उन्होंने यह सेमिनार सचमुच दुनिया भर में सौ से अधिक बार दिया है, और यह कुछ ऐसा है जिससे वे निपटते हैं। और वह जो कहते हैं वह यह है कि हम सभी में एक कमजोर जगह है। हममें से हर एक के पास शैतान के लिए एक संभावित आधार है, है ना? और शैतान वास्तव में बहुत चालाक है।

वह नहीं जानता कि हमारे मन में क्या चल रहा है क्योंकि वह हमारे मन को नहीं पढ़ सकता। वह सर्वव्यापी नहीं है, वह सर्वज्ञ नहीं है, लेकिन उसे लोगों को देखने का बहुत अभ्यास है, और वह जानता है कि हमारी कमज़ोरियाँ कहाँ हैं। गैरी का आध्यात्मिक युद्ध पर दृष्टिकोण यह है कि यदि आप अपने क्रोध, अपनी वासना, अपने अभिमान और अहंकार, अपनी गपशप में शैतान को एक आधार देते हैं, तो आपके व्यक्तित्व और मन में जो भी आधार है, शैतान अंदर आएगा और चाहेगा, यह कब्ज़ा नहीं है, यह हो सकता है, यह उत्पीड़न बन सकता है, लेकिन वह उस आधार में आ सकता है।

और यहाँ एक डरावना विचार है। गैरी का मानना है कि शैतान वास्तव में उस समुद्र तट पर अपनी राक्षसी शक्ति उधार दे सकता है। क्या आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जिसका क्रोध? ऐसा लगता है कि क्रोध का अपना जीवन है। ऐसा लगता है कि व्यक्ति क्रोध द्वारा नियंत्रित है; व्यक्ति क्रोध को नियंत्रित नहीं करता है, और क्रोध उसके अंदर से निकलने वाली एक जीवन शक्ति की तरह है।

गैरी का कहना है कि यह शैतान है। तो, क्रोध के बारे में बात यह है कि अगर आप इसे तुरंत नहीं निपटाते हैं, अगर आप अपने क्रोध में सूरज को डूबने देते हैं और इसे धुआँ बनने देते हैं, तो शैतान चला जाता है, हा हा हा, मुझे यहाँ अवसर मिला। या उसके राक्षस, जो अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं, कहते हैं, आह, हमें यहाँ अवसर मिला।

और यह सोचना डरावना है कि वह वास्तव में एक ईसाई को क्रोध पर अपनी शैतानी शक्ति दे सकता है। मुझे नहीं पता कि मेरे कार्यालय में एक पादरी के क्रोध को और कैसे समझाया जाए। यह सभी तर्कों को चुनौती देता है।

वह खुद को क्यों नहीं समझाएगा? वह क्यों नहीं बताएगा कि कैसे, मेरा मतलब है, मैं उससे भीख मांग रहा था, मुझे बताओ कि मैंने तुम्हें चोट पहुंचाने के लिए क्या किया है। और वह केवल मुझे गाली दे सकता था। ओह, मुझे खेद है, लेकिन मेरे साथ अभद्र व्यवहार करो।

इसलिए, मुझे लगता है कि क्रोध एक बहुत ही दिलचस्प विषय है। लेकिन यीशु जिस क्रोध की बात कर रहे हैं, वह उबलता हुआ, सुलझा हुआ नहीं हुआ क्रोध है जो लोगों की मौखिक रूप से हत्या करने के दृष्टिकोण और कार्यो को जन्म देता है। और यही गपशप है, है न? यही पीठ पीछे बातें करना है।

पीठ में छुरा घोंपना यही है। यह हत्या है। यह सिर्फ शारीरिक नहीं है, लेकिन यह उतना ही दर्दनाक हो सकता है।

हाँ। मेरी पत्नी ने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण सबक सिखाया। जब हमारी पहली शादी हुई थी, तो शादी को चार महीने ही हुए थे, और वह फूट-फूट कर रोने लगी थी।

और उसने कहा कि तुम मुझसे प्यार नहीं करते। और मैंने लगभग कहा, हम्म, फिर यह क्या है? लेकिन मुझे पहले ही समझ में आ गया था कि यह सही तरह का जवाब नहीं था। इसलिए मैंने कहा, मैं बस तुमसे प्यार करता हूँ।

तुम्हें क्यों लगता है कि मैं तुमसे प्यार नहीं करता? उसने कहा कि तुम मुझे कभी नहीं चिढ़ाते। मैंने कहा, हाँ, मैं तुमसे प्यार करता हूँ। इसलिए, मैं तुम्हें कभी नहीं चिढ़ाता।

खैर, उसके परिवार में, चिढ़ाना प्यार की निशानी थी। और रॉबिन, जो एक गोरी है, उसे गोरी औरतों वाले चुटकुले बहुत पसंद थे। मेरा मतलब है, यह उसके पालन-पोषण का हिस्सा था: चिढ़ाना और उकसाना और क्या-क्या नहीं।

बचपन में मुझे बेरहमी से चिढ़ाया जाता था। बुरी तरह, क्रूरता से, रॉक अमोर किस्म की चिढ़ाना। और मुझे चिढ़ाए जाने से नफरत है।

मेरे अंदर कोई दीवार नहीं है। और अगर आप मज़ाक में मुझे बेवकूफ़ कहते हैं, तो आप मुझे डिप्रेशन में डाल देते हैं। अगर मेरा आप सभी से कोई रिश्ता है, अगर मैंने मुझे बेवकूफ़ कहा, तो ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं ऐसा कर सकूँ, और उसने ऐसा नहीं किया, ऐसा कोई तरीका नहीं है, क्योंकि हम दोस्त हैं, ऐसा कोई तरीका नहीं है, मेरे अंदर ऐसा कुछ भी नहीं है जो उसे मेरे दिल में जाने और मुझे छुरा घोंपने से रोक सके।

और मेरे बच्चे मुझे चिढ़ाना पसंद करते हैं। और मैंने उनसे ऐसा करने से मना किया। और आखिरकार उन्होंने ऐसा किया।

उन्हें आखिरकार समझ में आ गया कि पिताजी इसे संभाल नहीं सकते। तो, आप संस्कृतियों के क्लासिक टकराव की बात कर रहे हैं। और मैंने आखिरकार रॉबिन से कहा, ठीक है, यह मेरे लिए वाकई बहुत मुश्किल है।

मैं मज़ाकिया अंदाज़ में कैसे चिढ़ाऊँ? वह कहती है कि इसमें कोई सच्चाई नहीं हो सकती। और अगर इसमें कोई सच्चाई नहीं है, अगर आप मुझे गोरी औरत का चुटकुला सुनाना चाहते हैं, और इसमें कोई सच्चाई नहीं है, तो आगे बढ़िए और मुझे गोरी औरत का चुटकुला सुनाइए। मैं शायद हँस दूँगी।

और इसलिए, किस्से के अनुसार, मेरा जवाब यही है कि अगर कोई रिश्ता है, अगर उसमें बिलकुल भी ईमानदारी नहीं है, मेरा मतलब है, अगर उसमें बिलकुल भी सच्चाई नहीं है, तो आप जानते हैं, मुझे लगता है कि दोस्त एक-दूसरे को बेवकूफ़ कहकर साथ रह सकते हैं, आप जानते हैं। हालाँकि, मैं ऐसा नहीं करता। मेरा मतलब है, मैंने रॉबिन को कुछ समय के लिए, लगभग 10 साल तक, सिर्फ़ आपको यह बताने के लिए चिढ़ाया कि मैं उससे प्यार करता हूँ।

और फिर मैंने कहा, मुझे ऐसा करने में सहजता नहीं है। मैं अपने बचपन से आगे नहीं बढ़ सकता। और उसने भी तय किया कि वह भी चिढ़ाना नहीं चाहती।

तो, यह सब कहने का मतलब है, मुझे लगता है कि अगर इसमें कोई सच्चाई नहीं है, तो रिश्ते हैं। अजुसा से मेरा सबसे अच्छा दोस्त, मैंने कल रात उससे बात की क्योंकि मैं इस सप्ताहांत आउटर बैक्स जा रहा हूँ। वह उसका स्वर्ग है।

और इसलिए, मैं उससे पूछ रहा था कि कहाँ जाना है। और मेरे दोस्त, सब कुछ बेवकूफी भरा है। उसका एक भी शब्द मतलबी नहीं था।

और मैं यह सुनकर सोच सकता हूँ, ओह, यह स्कॉट है। यह कोई बड़ी बात नहीं है। और मुझे लगता है कि यह ठीक है।

लेकिन बेटा, अगर कोई रिश्ता नहीं है, अगर कोई समझ नहीं है, अगर तुम्हारे अंदर कोई इरादा सच है, बेवकूफ। और मेरे लिए ऐसी किसी भी स्थिति के बारे में सोचना वाकई मुश्किल है, जिसमें बेवकूफ शब्द में कुछ सच्चाई न हो। मुझे लगता है कि यह सीमा से परे है।

आप जानते हैं, जो कुछ भी शुद्ध और प्यारा है और टेस्ट, बेवकूफ, मूर्ख, मूर्ख, बेवकूफ के लिए सभी फ़िलिपिंग, उनमें से कोई भी चीज़ वास्तव में वहाँ फिट नहीं होती है। इसलिए, मैं कहूँगा, मैं अनुमान लगाऊँगा कि ऐसे रिश्ते में जहाँ प्यार है, जहाँ कोई सच्चाई नहीं है, इनमें से कुछ चीज़ें सिर्फ़ मूर्खतापूर्ण, लापरवाह बातें हो सकती हैं, और यह कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि यह शायद एक बहुत छोटी श्रेणी है।

हाँ, मूर्खतापूर्ण बातें। आपको इफिसियों में मूर्खतापूर्ण बातों से परेशानी है, जहाँ लिखा है कि मूर्खतापूर्ण बातें मत करो। आपका दूसरा सवाल क्या था? हाँ।

क्रोध कब उचित है? मुझे लगता है कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि हम अपने स्वाभाविक क्रोध को यीशु पर न ले जाएँ। और तथ्य यह है कि यह कभी नहीं कहता कि वह किसी व्यक्ति पर क्रोधित था, हमें यह कहने में सावधानी बरतनी चाहिए कि, ठीक है, उसे क्रोधित होना ही था, बस हमें यह नहीं बताया गया। और ऐसा हो सकता है, लेकिन मैं ऐसा करने में बहुत सावधान रहूँगा क्योंकि यह कभी ऐसा नहीं कहता।

तुम्हें पता है, अगर मैं मंदिर साफ कर दूँ, तो मैं नाराज हो जाऊँगा। हाँ। इसका मतलब यह नहीं है कि यीशु नाराज थे।

इसलिए, मेरे लिए, मेरी सोच में, जब मुझे क्रोध की झलक महसूस होती है, तो मैं विकसित होने की कोशिश करता हूँ, विकसित होने की कोशिश करता हूँ, और रॉबिन मुझे याद दिलाता है कि जब मैं गाड़ी चला रहा होता हूँ, तो मैं अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में नहीं होता। मैं क्रोध महसूस होने पर अनुशासन विकसित करने की कोशिश कर रहा हूँ, बस तुरंत कह रहा हूँ, खतरा क्या है? और क्रोध को बढ़ने नहीं देना और यह कहना कि, ठीक है, मुझे अभी बताया गया कि खतरा है। किसी व्यक्ति ने मुझे रोक दिया।

ओह, मुझे धीरे चलना चाहिए। या फिर कोई कुछ ऐसा कह देता है जिससे मुझे गुस्सा आ जाता है। और मैं सोचता हूँ, यह क्या है? ओह, यह सही है।

वे मुझे ऐसे लोगों की याद दिलाते हैं जिन्होंने मुझे बहुत दुख पहुँचाया। ठीक है। वे ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिन पर मुझे कृपा करनी चाहिए।

मेरा मतलब है, खतरे के संकेत के रूप में क्रोध, मुझे लगता है कि यह ईश्वर द्वारा दिया गया उपहार है। लेकिन लड़के, इसे शांत होने देना, इसे आगे बढ़ने देना, मुझे नहीं पता कि यह कभी सही है या नहीं। मेरा मतलब है, जब मैं युगांडा के विद्रोहियों के बारे में सोचता हूँ जो अपनी सेना के लिए बच्चों को चुराते हैं, तो यह मुझे वास्तव में पागल कर देता है।

तो, मैं इसके साथ क्या करूँ? अगर मैं युगांडा के विद्रोहियों के प्रति गुस्से की स्थिति में रहता हूँ, तो उन्हें कोई परवाह नहीं है, और यह मेरे व्यक्तित्व को विकृत कर रहा है। इसलिए इसके बारे में कुछ करें। सच्चाई का सामना करें।

इसके बारे में प्रचार करें। इसके बारे में सिखाएं। जो भी मामला हो।

लेकिन जब हमारी पहली शादी हुई थी, तब रॉबिन के पास एक शानदार कमरा था, और हम हमेशा उसी का पालन करते थे। क्या यह एक मज़ेदार अभिव्यक्ति नहीं है? हम हमेशा उसी का पालन करते थे। और यही कारण है कि हम कभी भी गुस्से में सोने नहीं गए।

और कई बार ऐसा हुआ कि उसने मुझे सुबह एक बजे जगाया और कहा, मुझे नींद नहीं आ रही है। हमने इस पर कोई बात नहीं की है। और मैं कहता हूँ, रॉबिन, मेरी पहली क्लास 7.30 बजे है। यह ग्रीक है।

मुझे वाकई नींद की ज़रूरत है। वह कहती है, मुझे परवाह नहीं है। हमने एक समझौता किया है, और तुम सो जाओ, और तुम्हें जागना है, और हम इस से निपटने जा रहे हैं।

सुबह 2:33 बजे तक हमने काफी चर्चा की। ग्रीक में वे हमेशा मज़ेदार दिन होते थे, क्योंकि हम बस एक ग्रीक पार्टी करते थे या गेम खेलते थे या कुछ और, क्योंकि मैं बहुत थक गया था। यह एक शानदार नीति थी जिसने एक स्वस्थ विवाह को बनाया क्योंकि हमने क्रोध या दुख को बसने नहीं दिया।

और जब हम काम पूरा कर लेते थे तो हम हमेशा एक दूसरे को चूमते थे। और जब आप गुस्से में होते हैं, तो ऐसा करना वाकई मुश्किल होता है, है न? और अगर आप अपनी पत्नी या अपने जीवनसाथी से नाराज़ हैं, और आप उन्हें गुड नाइट किस करते हैं, तो वे हमेशा बता सकते हैं। हाँ, हाँ, अभी हमारा काम पूरा नहीं हुआ है।

तो, मुझे लगता है कि एक जगह है, लेकिन इसे तुरंत निपटाया जाना चाहिए। मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास कुछ और नोट्स हैं। मुझे इस विशेष को पूरा करने दें।

क्योंकि धार्मिकता फरीसियों से बढ़कर है, और परमेश्वर की गहरी आज्ञाकारिता के लिए पुकार को हमारे क्रोध तक विस्तारित होना चाहिए। इसका उत्तर तत्काल मेल-मिलाप है, है न? और यही 23 को मिल रहा है। मूल रूप से, कुछ उदाहरण हैं, लेकिन वे सभी एक ही बात कर रहे हैं।

क्रोध की कुंजी तत्काल सुलह है। जिस आयत का हमने हवाला दिया है, वह इफिसियों 4, 26 है। अपने क्रोध में सूर्य को अस्त न होने दें।

शैतान को कोई अवसर न दें। क्रोध शैतान के लिए उन विशाल, व्यापक-खुले निमंत्रणों में से एक है। तो, उसके पास इस एक बिंदु के दो उदाहरण हैं, तत्काल मेल-मिलाप का एक बिंदु।

पद 23. इसलिए, यदि तुम वेदी पर अपनी भेंट चढ़ाते हो, और याद करो कि उस समय भी वेदियाँ थीं, और फिर भी याद करो कि तुम्हारे भाई या बहन के मन में तुम्हारे प्रति कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी के सामने छोड़ दो। पहले जाकर उनसे मेल-मिलाप करो, और फिर अपनी भेंट चढ़ाओ।

अगर आपने किसी को नुकसान पहुंचाया है, तो सुलह करने की जिम्मेदारी किसकी है? यह आपकी है। और फिर दूसरा समानांतर मार्ग है, अगर आपके पास किसी भाई या बहन के खिलाफ कुछ है, तो आपको सुलह करनी होगी। इसलिए, मुझे अभी भी यह उपदेश याद है।

मैंने यह उपदेश नहीं दिया। किसी और ने दिया। अगर कोई रिश्ता टूट गया है, तो सुलह कराने की जिम्मेदारी किसकी है? आपकी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने ऐसा किया या आप ही नाराज थे, यह आपकी जिम्मेदारी है।

ओह। यह बहुत मुश्किल है, है न? यह वाकई बहुत मुश्किल है। मैंने पादरी होने के नाते दो लोगों को मौखिक रूप से चर्च से बाहर निकाल दिया।

उनमें से एक, वह व्यक्ति, चर्च के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मुझे दिया गया एक चित्रण पसंद नहीं आया। वह चर्च के बाद मेरे पास आया और चिल्ला रहा था, सचमुच मुझ पर चिल्ला रहा था कि यह दूसरा व्यक्ति मेरे द्वारा दिए गए चित्रण के लिए कितना बुरा है। मैं उसे शांत नहीं कर सका, इसलिए मैंने उसे जबरदस्ती चर्च से बाहर निकाल दिया। दूसरी स्थिति बहुत ही रोचक थी, जहाँ एक आगंतुक आया, और वह बाद में मेरे पास आया और पूछा, क्या आप चर्च के अनुशासन में विश्वास करते हैं? मैंने कहा, ठीक है, वह उस चर्च से होगा जो चर्च के अनुशासन को पसंद करता है, जिसके बारे में मैंने आपको बताया था, और वह यहाँ आने के बारे में सोच रहा है।

बढ़िया। वह जानना चाहता है कि क्या हम चर्च में अनुशासन लागू करने जा रहे हैं। मैंने कहा, "हाँ, हमें यह पसंद नहीं है, लेकिन मैंने इस बारे में थोड़ी बात की।"

खैर, मैं पूरी तरह से उनकी बात से चूक गया। उन्होंने कहा, "ठीक है, चर्च को उस उपदेश के लिए आपको अनुशासित करने की ज़रूरत है।" मैंने पूछा, "सच में?" उन्होंने कहा, "हाँ, आपने कहा कि हम माफ़ी देते हैं चाहे व्यक्ति ने इसके लिए कहा हो या नहीं, और यह स्पष्ट रूप से गलत है।"

आप तब तक माफ़ी नहीं देते जब तक कि वह व्यक्ति न आ जाए, और उसने माफ़ी की भीख माँगते हुए और रेंगते हुए कहा। मैंने उसकी तरफ़ देखा, और मैंने सोचा, सच में? तो, आप क्रूस पर यीशु के खिलाफ़ चर्च अनुशासन करेंगे? उसे यह पसंद नहीं आया, और वह हिंसक नहीं हुआ, लेकिन वह बहुत क्रोधित हो गया, और वह कह रहा था, ठीक है, तुम्हें मुझे माफ़ करना होगा, और मैं माफ़ी भी नहीं माँगने वाला हूँ। मैंने कहा, मैं तुम्हें माफ़ करता हूँ।

आप गलत हैं। आपका रवैया सही नहीं है। अच्छा, क्या आपने कभी किसी की शिक्षा के बारे में सुना है? और यह इंडियाना का कोई पादरी था जिसके बारे में मैंने कभी नहीं सुना था।

मैंने कहा, नहीं, तुमने उसके बारे में पहले कभी नहीं सुना? और मैंने कहा, और यह मददगार नहीं था, मैंने कहा, ओह, क्या वह तुम्हारा पंथ नेता है? और मैंने आखिरकार कहा, उसका नाम बिल था। मैंने कहा, बिल, दरवाज़ा उस तरफ़ है। वापस मत आना।

उसने कहा, मुझे इस चर्च में तुम्हारे ज़हर उगलने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अगर तुम कभी बाइबल की शिक्षाओं के बारे में बात करना चाहो तो मैं तुमसे बात करके खुश हूँ, लेकिन तुम इस चर्च में फिर कभी ज़हर नहीं उगल सकते। वह वास्तव में गुस्से में था और उसे तुरंत सुलह की कोई इच्छा नहीं थी, और जहाँ तक उसका सवाल था, सुलह करना हमेशा दूसरे व्यक्ति की ज़िम्मेदारी होती है।

यह कहानी बताने में मुझे बहुत समय लग गया, लेकिन क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है? मेरे साथ वाकई बहुत अजीबोगरीब चीज़ें होती हैं। मैं अजीबोगरीब लोगों की तरफ़ आकर्षित होता हूँ। मैं क्या कह सकता हूँ? ऐसा नहीं है कि मेरे साथ जुड़े सभी लोग अजीबोगरीब हैं, मैथ्यू।

हाँ, मेरी परिस्थितियाँ चरम पर होती हैं। तुरंत सामंजस्य बिठाने की कोशिश करना हमारी ज़िम्मेदारी है, लेकिन इस अंश में जो बात वास्तव में शक्तिशाली है, और मैंने इसे केंट ह्यूजेस की चर्चा, माउंट पर उपदेश में पढ़ा है, और मैंने इसे अन्य स्थानों पर भी देखा है, लेकिन मैंने इसे वहीं पढ़ा है, वह यह है कि केंट हमें याद दिलाता है, जब यीशु ने यह कहा था, तो वह कहाँ बोल रहे थे? खैर, माउंट पर उपदेश के लिए पारंपरिक स्थान गलील सागर का उत्तरी छोर है, है न? सभी मंदिर बलिदान कहाँ किए जाते हैं? यरूशलेम में, यह 80 मील है, तीन दिन की पैदल यात्रा, और आपको सामरिया के चारों ओर जाना होगा, है न? और इसलिए, जब आप खुद को रखते हैं, तो वह गलील में लोगों के एक समूह से बात कर रहा है, और वह कह रहा है, यदि आप तीन दिन की यात्रा में हैं, और आपने अपना जानवर खरीदा है, और आप इसे मारने के लिए तैयार हो रहे हैं, और आपको याद आता है कि किसी के मन में आपके खिलाफ़ कुछ है, तो आप रुक जाते हैं। मुझे लगता है कि कोरल सोक्सी, आप अपने जानवर को बाँध लें।

मैंने कभी इस बारे में नहीं सोचा। आपने अपना बलिदान खो दिया। आप अपना बलिदान छोड़ देते हैं।

आप तीन दिन की यात्रा करते हैं। आप उस व्यक्ति को ढूँढते हैं, और आप मेल-मिलाप करते हैं, और फिर आप तीन दिन बाद वापस आते हैं और अपना बलिदान चढ़ाते हैं। भगवान के लिए

मेल-मिलाप कितना महत्वपूर्ण है और जब हमारे जीवन में संबंधपरक संघर्ष होता है तो हम पूजा की बाहरी गतिविधियों से नहीं गुजरते हैं।

अब, हम एक सेकंड में उससे जुड़ी सभी समस्याओं के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन यह एक शक्तिशाली तस्वीर है, है न? और जिस तरह से मैं इसे नए नियम के समय में कहता हूँ जब कोई बलिदान नहीं होता है, वह यह है कि यदि आप पूजा का कार्य करने, गीत गाने, भेंट चढ़ाने, पढ़ने पर प्रतिक्रिया देने और उपदेश देने के लिए तैयार हो रहे हैं। यदि आप जानते हैं कि किसी के मन में वास्तव में आपके खिलाफ कुछ है, तो ऐसा न करें। रुकें।

जाओ, सुलह करो और फिर वापस आओ। क्या तुम कल्पना कर सकते हो कि क्या होगा अगर तुम उपदेश देने के लिए खड़े हो जाओ और तुम कहो, मैं उपदेश नहीं दे सकता। मुझे खेद है।

मैंने किसी को चोट पहुंचाई है, और मेरे लिए यह पूजा का कार्य करना पाप है। मेरे लिए उपदेश देना पाप है, इसलिए आप सभी को बर्खास्त किया जाता है। मुझे अपने संबंधों के संघर्ष का ख्याल रखना होगा।

यह एक दिलचस्प गाना होगा। मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वे इसे याद रखेंगे। और यही कारण है कि मेरी साप्ताहिक दिनचर्या का हिस्सा है, क्या कोई... हमेशा ऐसे लोग होंगे जो आपको पसंद नहीं करते।

यह तो बस ऐसा ही है, लेकिन क्या ऐसा कोई है जिसे मैंने वाकई दुख पहुंचाया हो? क्या मैंने कोई लापरवाही भरा शब्द कहा था? क्या मेरे काम की गलत व्याख्या की गई? मेरा मतलब है, क्या मैं देख सकता था कि वे मेरे काम की गलत व्याख्या कर सकते हैं? क्या ऐसा कुछ है जो मुझे करने की ज़रूरत है? मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मैंने यह सब बिल्कुल सही किया, लेकिन यह मेरी साप्ताहिक दिनचर्या का हिस्सा था। मेरी दिनचर्या थी... मैं बहुत भाग्यशाली था। मुझे उपदेश तैयार करने के लिए सप्ताह में 30 घंटे दिए गए थे।

मेरे पास बहुत कम अन्य जिम्मेदारियाँ थीं। इसलिए, बुधवार को मैं पूरी तरह से शोध का दिन था। गुरुवार को मैं धर्मोपदेश लिखना शुरू करूँगा।

मैं शुक्रवार को लगभग मध्याह्न तक लिख सकता था, और फिर मैं अभ्यास करना शुरू कर देता था। मैंने आराधना केंद्र में एक उपदेश का अभ्यास किया। चर्च को पता था कि वहाँ कुछ और शेड्यूल नहीं करना है, और मैं शुक्रवार को पूरे दिन और शनिवार को ज्यादातर समय अभ्यास करता था।

मेरे बच्चे हमेशा कहते थे कि मैं शुक्रवार को घर से बाहर निकलता हूँ और रविवार दोपहर को फिर से घर आता हूँ क्योंकि यह मेरी जिम्मेदारी और मेरी खुशी है। और इसलिए, उस दिनचर्या का एक हिस्सा यह है कि, ठीक है, शुरू करने से पहले, मैं अक्सर इतना बोल जाता हूँ कि किसी को चोट पहुँच जाती है। मैं वास्तव में आपको भी ऐसा ही करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

तो यह पहला उदाहरण है। अब, एक महत्वपूर्ण विवरण है, और आप सभी इसका इंतज़ार कर रहे हैं, और मुझे यकीन है कि आप सभी इसे जानते हैं। रोमियों 12, 18.

जहाँ तक तुम पर निर्भर है, सभी लोगों के साथ शांति से रहो। दूसरे शब्दों में, कुछ टूटे हुए रिश्ते हैं जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता। जिस आदमी के बारे में मैंने तुमसे कहा था कि वह मुझसे इतनी नफरत करता है कि मैं उसके पास तीन बार गई।

मैंने कहा, आप जानते हैं, मैं शायद अब इसे थोड़ा अलग तरीके से करूँगा क्योंकि मैंने जो सीखा है, लेकिन मूल रूप से, मैंने कहा, काश मैंने कहा होता, काश मैंने सिर्फ़ इतना नहीं कहा होता, मुझे बताओ कि तुम्हें कैसा लगा। काश मैंने कहा होता, मुझे बताओ कि जब मैंने यह किया या जब मैंने यह कहा तो तुम्हें कैसा लगा। मुझे यह समझने में मदद करें कि आप कहाँ से आ रहे हैं।

मैं आपकी भावनाएँ सुनना चाहता हूँ। और मैंने ऐसा नहीं किया, लेकिन मैंने कहा, मैंने क्या किया है? और, आप जानते हैं, अगर मैं कर सकता हूँ तो मैं माफ़ी माँगूँगा। और हमने ऐसा तीन बार किया और यह बहुत स्पष्ट हो गया कि सुलह कभी नहीं होने वाली थी, क्योंकि वह ऐसा होने नहीं देगा।

और तीन बार के बाद, यह सूअर के सामने मोती बन गया। हम उस अंश पर आएँगे। दूसरे शब्दों में, मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता।

जहाँ तक इसका सवाल है, मैंने इस व्यक्ति के साथ शांति से रहने के लिए जो कुछ भी सोचा था, वह सब किया है, और मुझे इससे दूर जाना पड़ा। और मेरी पतली त्वचा के साथ, यह अभी भी मुझे परेशान करता है, लेकिन मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। तो, हम सभी जानते हैं कि ऐसे लोग हैं जो हमारे साथ समझौता नहीं करेंगे, है ना? बस यही जीवन है।

और अगर आप आध्यात्मिक अधिकारी हैं, तो ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज़्यादा होगी जो आपसे मेल-मिलाप नहीं करेंगे क्योंकि वे नहीं चाहते कि उन्हें बताया जाए कि उन्हें क्या करना है या कैसे सोचना है या कैसे व्यवहार करना है या उन्हें कैसा होना चाहिए। आप कुछ गलत कहकर या गलत तरीके से कहकर लोगों को वाकई नाराज़ कर देंगे, और वे नाराज़ होना चाहते हैं। क्रोध अपने साथ अपनी ऊर्जा लेकर आता है, है न? और यह खुद को ईंधन देता है।

यह लगभग परम स्वच्छ ऊर्जा की तरह है क्योंकि क्रोध आपको और अधिक क्रोधित करता है, और आपको किसी अन्य इनपुट की आवश्यकता नहीं होती है। यह खुद को ईंधन देता है, और ऐसे लोग हैं जो इसे पसंद करते हैं।

उन्हें यह अच्छा लगता है कि वे कैसा महसूस करते हैं। इससे उन्हें यह अहसास होता है कि मैं तुमसे बेहतर हूँ। इससे उन्हें यह अहसास होता है कि मैं नियंत्रण में हूँ।

इसके कई अलग-अलग कारण हैं, लेकिन वे बस मेल नहीं खाते। और आपको यह जानकर संतुष्ट होना चाहिए कि आपने वह सब कुछ किया है जो आप कर सकते थे। आप जानते हैं, मेरे और इस

एक व्यक्ति के लिए, यह पाँच साल में हो सकता है। प्रभु मेरे दिल में यह कहने के लिए डालता है, ठीक है, मैं फिर से कोशिश करने जा रहा हूँ, लेकिन मैं खुद को कोसने नहीं जा रहा हूँ।

मैं तब तक प्रतीक्षा करूँगा जब तक मुझे आत्मा से यह स्पष्ट संदेश न मिल जाए कि मुझे संपर्क शुरू करना चाहिए क्योंकि हर बार जब मैं संपर्क शुरू करता हूँ, तो यह और भी बदतर हो जाता है। लेकिन यह पुलपिट में जीवन है। ज़रूर।

मैं इसे बाइबिल प्रशिक्षण और सेमिनार में जाने से परिभाषित करूँगा। नहीं, क्या यह सेमिनार है? यह कहाँ है, मैट? क्षमा पर एक कहाँ है? यह एक सेमिनार है। और यह एक परामर्शदाता है जिसने हमारे जीवन को बदल दिया।

मंत्रालय से मिली सारी पीड़ा और दर्द के बाद, हम मूल रूप से दुर्व्यवहार के शिकार पादरियों के लिए एक सम्मेलन में गए। यह कनाडा में कैम्पस क्रूसेड फॉर क्राइस्ट द्वारा आयोजित किया गया था। और वे अलग-अलग चीजों के बारे में बात करने के लिए अलग-अलग विशेषज्ञों को लेकर आए थे।

और उसने क्षमा के बारे में बात की। और यह हमारे लिए बहुत ही मौलिक रूप से जीवन बदलने वाला था। हमने उसे नीचे आने के लिए कहा।

हमने बाइबिल प्रशिक्षण के लिए सेमिनार का वीडियो शूट किया। और वह जो करता है, वह सेमिनार में अंतिम व्याख्यान है। और वह कहता है, क्षमा करना स्वार्थी काम है।

आप दूसरे व्यक्ति को माफ़ नहीं करते। आप खुद को माफ़ करते हैं। और माफ़ी में आप कह रहे हैं, मैं इस व्यक्ति से बदला लेने के सभी अधिकार छोड़ता हूँ।

ठीक है, प्रभु, यह आपके हाथ में है। मैं उन्हें माफ़ करता हूँ। मैं सभी अधिकार छोड़ता हूँ।

मुद्दा यह है कि क्या दूसरे व्यक्ति में पश्चाताप है? मुझे लगता है कि आप यहीं तक पहुंच रहे हैं। अगर पश्चाताप है, तो उसके पास एक आरेख है। अगर पश्चाताप है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सब कुछ ठीक है।

रिश्ते में विश्वास को फिर से बनाना होगा। लेकिन आप उस दिशा में आगे बढ़ें। मेरा मतलब है, क्या आप कभी ऐसी स्थिति में रहे हैं जहाँ कोई व्यक्ति माफ़ी माँगता है, और आप अभी भी थोड़ा परेशान हैं, और वे आपके पीछे पड़ जाते हैं, जैसे कि, अरे, मैं माफ़ी माँगता हूँ।

आपकी समस्या क्या है? क्या आपको कभी ऐसा हुआ है? मेरे परिवार के किसी सदस्य ने मेरे साथ एक बार ऐसा किया था, जिससे मुझे बहुत दुख पहुंचा था। और यह अभी भी दर्दनाक था। और फिर वह मुझ पर गुस्सा हो गया।

क्योंकि मैंने कहा, ठीक है, तुम्हें पता है, मुझे यकीन नहीं है कि मैं इस समय तुम पर भरोसा कर सकता हूँ। मैंने तुम्हें माफ़ कर दिया है। मैंने तुम्हारा पश्चाताप स्वीकार कर लिया है।

लेकिन भरोसा फिर से बनाना होगा। समस्या तब आती है जब कोई व्यक्ति पश्चाताप करता है या पश्चाताप नहीं करता। और फिर जवाब है सीमाएँ।

आपको यह कहते हुए सहज होना होगा कि, "यह व्यक्ति पश्चाताप नहीं करेगा। कोई रिश्ता नहीं है। मुझे सीमाएँ स्थापित करनी होंगी ताकि मैं सुरक्षित रहूँ।"

और मैं आपका सवाल भूल गया हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि यही मेरा जवाब था। क्या मैंने इसका जवाब दिया? ज़रूर। ठीक है।

यह एक शानदार सेमिनार है, आप सभी। आपको अपने चर्च के हर नेता को कुर्सी से बांधकर माफी सेमिनार में घुमाना चाहिए। क्योंकि यह गपशप है, और चोट, और दर्द, और माफी की कमी, और सुलह की कमी, मुझे लगता है, मुख्य बात है जो चर्चों को अलग कर रही है।

और यह सेमिनार आपको आगे बढ़ने और समझने में मदद करेगा। लेकिन क्षमा करना वह निस्वार्थ कार्य है जो वह सिखाएगा। यह वही है जो आप अपने लिए करते हैं।

यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे मुक्त होते हैं। और फिर कोई रिश्ता है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे पश्चाताप करते हैं या नहीं और क्या वे विश्वास को फिर से स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं। मैं आप सभी को यह नहीं बताना चाहता, और फिर से, यह विशेष रूप से चीनी संदर्भ में था।

हमने इस बारे में बात करने में बहुत समय बिताया। राष्ट्रीय मानसिकता के कारण, बहुत सारे रिश्ते टूट गए हैं। पति और पत्नी।

चीनी देहाती समाज में पोर्नोग्राफी बहुत बड़ी है। यह हमारे देहाती समाज से कहीं ज़्यादा बड़ी है। और इसलिए चोट, दर्द और टूटे हुए रिश्तों की यह पूरी बात वहाँ विशेष रूप से स्पष्ट है।

लेकिन मुझे यकीन है कि यह हर जगह है। मैंने ब्रेक के बाद बात की थी, है न? मुझे खेद है। हम लंच के लिए थोड़ा जल्दी निकलेंगे।

कुछ लोग सुलह करने से इनकार करते हैं। इसलिए, आपको यीशु के शब्दों का पालन उस बिंदु तक करना होगा जहाँ आप मुक्त महसूस करते हैं। यदि यह आपका जीवनसाथी है, तो संभवतः आप कभी मुक्त नहीं होंगे।

अगर यह आपके बच्चों की बात है, तो कभी-कभी हमारे बच्चों के साथ ऐसी परिस्थितियाँ होती हैं जहाँ यह समझौता नहीं होने वाला है और वे अपनी गवाही के लिए काम से दूर चले जाएँगे। और आप प्रार्थना करते रहते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे वापस आएँगे। मुझे नहीं पता कि मैंने कितनी बार माता-पिता से कहा है, देखो, यह सिर्फ़ आधा समय है।

वे 20 साल के हैं। वे अपने जीवन के सबसे कठिन बदलावों के बीच में हैं। हाँ, वे अभी आपसे नफरत करते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि वे पांच साल बाद आपसे नफरत करने लगेंगे। यह सिर्फ हाफटाइम है। बस प्रार्थना करें।

यह वापस आएगा। यह वापस आएगा। क्या आपके पास क्रोध पर कोई अन्य टिप्पणी या प्रश्न है? खैर, मुझे खेद है। एक पल ऐसा था जब मैंने इसे अपने नोट्स से बाहर कर दिया था।

दूसरा उदाहरण है, 25 से 26. ओह, यह है। यह एक दोषी पक्ष की तस्वीर है जो अदालत के बाहर सुलह करने के लिए काफी समझदार है।

अपने विरोधी के साथ मामले को जल्दी से जल्दी सुलझाएँ। और धारणा, और फिर से, कार्ल्स इस पर वास्तव में अच्छा काम करते हैं, कहते हैं कि इस विशेष मामले में, सबसे अधिक संभावना है कि व्यक्ति जानता है कि वह गलत है और विरोधी सही है और विरोधी कानूनी अदालत में जीतने वाला है। इसलिए, अपने विरोधी के साथ मामले को जल्दी से जल्दी सुलझाएँ।

वह तुम्हें अदालत ले जा रहा था। ऐसा तब करो जब तुम दोनों साथ में हो, सड़क पर हो। और बस तुरंत सुलह हो गई।

या फिर आपका विरोधी आपको जज के हवाले कर सकता है, और जज आपको अधिकारी के हवाले कर सकता है, और आपको जेल में डाल दिया जा सकता है। सच में, मैं तुमसे कहता हूँ, जब तक तुम आखिरी पैसा नहीं चुका देते, तब तक तुम बाहर नहीं निकल पाओगे। इसलिए, यह माना जाता है कि तुमने कुछ गलत किया है।

आप पर इसके लिए मुकदमा चलाया जा रहा है। और यह सिर्फ एक मॉडल है कि आप तुरंत ही चीजों का ध्यान रखें, जहाँ तक यह आप पर निर्भर करता है। ठीक है, इस पूरे विषय पर कोई टिप्पणी या सवाल? नहीं, यह उदाहरण एक कानूनी अदालत का होगा।

हाँ. हाँ. हाँ, यह एक अच्छा उदाहरण होगा.

यह वाकई एक अच्छा उदाहरण होगा, है न? आप कक्षा में हैं, पढ़ा रहे हैं, और एक बच्चा बहुत ही अवज्ञाकारी है। और हमारा एक हिस्सा बस यही चाहता है... मुझे याद है कि मैंने अपनी एक पसंदीदा शिक्षिका को उसके पहले नाम से पुकारा था। यार, क्या मेरा मुँह टेप से बंद हो गया? मेरा मतलब है, सच में टेप से बंद हो गया।

मैं अपने होंठ चाट रहा था क्योंकि मैं देख सकता था कि वह क्या कर रही थी। मैं इसे पूरी तरह गीला कर रहा था ताकि यह चिपके नहीं। लेकिन यह बेहतर होता अगर सुश्री मैरियन ने पूछा होता, बिल, तुमने ऐसा क्यों कहा? और जवाब था, मैं तुमसे प्यार करता हूँ।

मैं अपने शिक्षकों से बहुत प्यार करता हूँ। वह मुझे मेरे पहले नाम से बुलाती थी, इसलिए मैंने सोचा कि स्नेह के तौर पर मुझे उन्हें उनके पहले नाम से बुलाना चाहिए। आप जानते हैं, उन्होंने पूरी तरह से गलत पढ़ा।

उसने इसे कुछ बिल्कुल अलग तरह से पढ़ा। लेकिन आप जानते हैं, मेरे कुछ दोस्त हैं जो... मेरा एक दोस्त है जो नौवीं कक्षा के लिए एक दुकान शिक्षक है; वे वास्तव में आरी चलाते थे, आप जानते हैं। और इसके लिए कुछ नियम हैं।

वह स्पोकैन के एक बहुत ही खराब इलाके में पढ़ाते हैं। आप जानते हैं, उनके पास एक बच्चा था जो टेबल आरी का गलत इस्तेमाल कर रहा था, और वह उसे सुधारने गए। उस बच्चे ने पलटकर कहा, "मैं तुम्हें नौकरी से निकलवा सकता हूँ।"

मेरा मतलब है, वह ऐसा नहीं कर सकता। एक बच्चा कहानी बना सकता है। उसने मुझे गलत तरीके से छुआ, और शिक्षक चला गया, है न? और ऐसी स्थिति में भी चुनौती यह है कि, ठीक है, आज सुबह क्या हुआ? यह बच्चा स्कूल में इतना गुस्से में क्यों आया? हो सकता है कि उसके शराबी, कोकेन-संक्रमित पिता ने आज सुबह उसे पीटा हो और उसे 300वीं बार फिर से छोड़ दिया हो।

और यह, मेरा मतलब है, यह हमेशा होता है, क्रोध के पीछे क्या है? क्रोध किस तरह की चोट, दर्द और खतरे की ओर इशारा कर रहा है? और यह एक बहुत अधिक प्रभावी तरीका है, यदि संभव हो, तो एक स्कूल चलाने के लिए, एक कक्षा चलाने के लिए। हाँ। लेकिन यही कारण है कि मुझे लगता है कि मैं आप सभी को चीनी भाषा में उलझा रहा हूँ। मुझे खेद है।

लेकिन यह, आपको उस छात्र की कहानी बताता हूँ जिसने मुझे यह उपदेश देने के लिए माफ़ कर दिया। क्या मैंने आपको वह कहानी सुनाई? वह शंघाई में रहा होगा। जब मैंने अगले रविवार को इस मार्ग का उपदेश दिया, तो चर्च में एक बच्चा, 25 साल का, साफ-सुथरा बच्चा, एक अच्छा, समर्पित ईसाई, मैं उसके दिल को जानता था।

और वह पहली सेवा से पहले मेरे पास आया और कहा, मैं तुम्हें सिर्फ़ यह बताना चाहता हूँ कि मैंने तुम्हें पिछले हफ़्ते दिए गए तुम्हारे उपदेश के लिए माफ़ कर दिया है। अब, क्या मैंने यह सब तुमसे ही नहीं कहा था? हाँ, यह तुम ही थे। ठीक है।

मुझे लगा कि यह अंग्रेजी में है। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि मैंने कसम खाई थी कि मैं बिना अनुवादक के कहानी बता सकता हूँ। वैसे भी, यह एक कठिन अंश है क्योंकि ऐसा लगता है कि जैसे ही मैं उस आदमी को बेवकूफ़ कहूँगा जिसने मुझे प्रीवे पर काट दिया, मैं नरक में जाऊँगा।

इसीलिए हमने इस पूरी क्लास की शुरुआत इस बात से की कि हम भाषा को कैसे संभालेंगे। और यह आप पर निर्भर है। यीशु नाटकीय भाषण का उपयोग करके अपनी बात को स्पष्ट कर रहे हैं। और मैं इस बिंदु पर कहूँगा कि अगर हमें लोगों को मोरे और राका कहने में कोई समस्या है, या जो भी शब्द आप इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो हम हार गए।

मुझे लगता है कि हमें अपनी खुद की टूटन, अपनी आध्यात्मिक भ्रष्टता पर गौर करने की ज़रूरत है और यह कहने की ज़रूरत है कि मैं किसी व्यक्ति पर फ़ैसला क्यों सुनाना चाहता हूँ? मैं इस तरह से जवाब क्यों देना चाहता हूँ? हाँ, मैं ग़लत बातें कहने जा रहा हूँ। मैं सही और ग़लत तरीके से जवाब देने जा रहा हूँ। जीवन एक यात्रा है।

हम ये सबक सीख रहे हैं। किसी दिन, मैं कभी किसी को असफल नहीं कहूँगा। यह स्वर्ग होगा।

लेकिन मुझमें ऐसा क्या है? अरे हाँ, यह गर्व है। यह अहंकार है। यह मैं खुद को दूसरे व्यक्ति से ऊपर उठाना चाहता हूँ।

उसके बाद, वह सिर्फ़ प्रियस चलाता है। इसलिए, वह मुझसे उतना अच्छा नहीं है। मैं जीप चलाता हूँ।

यह एक मज़ाक है। यहाँ किसके पास प्रियस है? हाँ। प्रियस ड्राइवर मेरे अस्तित्व का अभिशाप हैं।

मुझे खेद है। पोर्टलैंड में बहुत सारे प्रियस ड्राइवर हैं जो फ़ास्ट लेन में चलते हैं और गति सीमा से दो मील प्रति घंटा कम गति से चलते हैं। और जब भी आप पोर्टलैंड फ़्रीवे पर कारों का ढेर देखते हैं, तो आमतौर पर यह प्रियस ड्राइवर होता है।

और अगर यह प्रियस ड्राइवर नहीं है, तो यह सुबारू ड्राइवर है। मैंने कभी भी चार्जर को फ़ास्ट लेन में गति सीमा से नीचे जाते नहीं देखा। मैंने कभी चार्जर या मस्टैंग या बीएमडब्ल्यू नहीं देखा।

यह हमेशा एक प्रियस होता है। यह हमारे चल रहे चुटकुलों में से एक है। और मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों कहा।

हाँ, क्योंकि मैं गति सीमा को तोड़ना चाहता हूँ। अगर मुझे टिकट मिलता है, तो मुझे टिकट मिलेगा। ठीक है, मैं इसका हकदार हूँ।

जब संघर्ष होता है और जब यह इच्छा होती है, तो हम पागल हो जाना पसंद करते हैं। अगर हमें यह इतना पसंद नहीं होता, तो हम इसे इतना नहीं करते। है न? हाँ, ठीक है, ठीक है, अगर मैं... और इसलिए ऐसे समय होते हैं, यही मैं कहने की कोशिश कर रहा हूँ।

कई बार ऐसा होता है कि हम अपने गुस्से को देखते हैं, हम देखते हैं कि हम कैसे प्रतिक्रिया करते हैं, मूर्ख, मूर्ख, और हम सोचते हैं, ओह, मेरे अंदर ऐसा क्या है जो मैंने ऐसा किया? और आप श्रृंखला की कड़ियों के माध्यम से वापस जाते हैं, और आप आत्मा की गरीबी में पहुँच जाते हैं और कहते हैं, ओह, मैं उनसे बेहतर हूँ। मैं सोच रहा हूँ कि मैं उनसे बेहतर हूँ। वे जो गाड़ी चलाते हैं या जो भी मामला है, उसके कारण मुझे लगता है कि मैं उनसे बेहतर हूँ, और मुझे पोर्टलैंड में गति सीमा तोड़ने का अधिकार है अगर मैं चाहूँ।

आप जानते हैं, आप इस पर अपने खुद के रिक्त स्थान भर सकते हैं। और इसलिए यह बस है, हाँ, हम असफल होने जा रहे हैं, हम क्रोधित होने जा रहे हैं, लेकिन वे हैं, क्रोध एक गहरी समस्या का सूचक है, कि वहाँ खतरा है, शारीरिक खतरा, या महत्व का खतरा, या खतरा, आप जानते हैं, जो भी हो। और हमें स्वर्णिम श्रृंखला में वापस जाना होगा और इससे निपटना होगा।

और इसका मतलब है कि अगर आप और मैं वास्तव में समझते हैं कि हम मसीह के सामने कौन हैं, तो विनम्रतापूर्वक और विनम्रतापूर्वक दूसरे व्यक्ति के पास जाना और यह कहना बहुत आसान है कि, मैंने ऐसा क्या कहा जिससे आपको ठेस पहुंची? मुझे बताएं कि आपको कैसा लगा। मुझे बताएं। और वास्तव में आप सही हैं।

मैं जितना तुम सोचते हो उससे भी बुरा हूँ। जब तुम सब उस स्थिति में पहुँचोगे तो मुझे बता देना। मैं वहाँ नहीं हूँ।

लेकिन हमें यही करना है। यह एक कठिन काम है। वास्तव में, कुछ टिप्पणीकार इस मुद्दे पर बात करते हैं कि उन्होंने क्रोध से शुरुआत क्यों की। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि यह सबसे सार्वभौमिक और सबसे खतरनाक भावना है।

मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं, लेकिन इस बारे में सोचना दिलचस्प है। खैर, बहुत लंबी बात हो गई। चलो थोड़ा ब्रेक लेते हैं।

हम दोपहर के भोजन के बाद लगभग 1:30 बजे यहाँ वापस आएँगे, और फिर हम महान धार्मिकता के अन्य कार्यों पर चर्चा करेंगे। तब मिलते हैं।

यह डॉ. बिल मौस द्वारा माउंट पर उपदेश पर दिया गया उनका उपदेश है। यह मैथ्यू 5:21 और उसके बाद के सत्र 6 है, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 1।